डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार की खबरे पढ़ते हुए पाठक...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःडिजाइनर सिल्वर ज्वेलरी...

वर्ष -09 अंक -90 | प्रयागराज, मंगलवार 13 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

राज्य चुनाव आयोग नामांकन केंद्रों के पास निषेधाज्ञा लागू करने पर कर रहा विचार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान नामांकन केंद्रों पर हिंसा की हुई छिटपुट घटनाओं के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग सोमवार से ऐसे केंद्रों के पास धारा 144 (निषेधाज्ञा) लागू करने पर विचार कर रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम बहुत जल्द नामांकन केंद्रो के आसपास धारा 144 लागू करने पर विचार कर रहे हैं। एक बार निर्णय लिये जाने के बाद एक अधिसूचना जारी की जाएगी और इसे लागू करने के लिये जिलाधिकारी के पास भेजा जाएगाऔर फिर इसे उन स्थानों के एक किलोमीटर के दायरे में भीड़ को रोकने के लिये लागू किया जाएगा। राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होने हैं।

कांकेर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक महिला नक्सली ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीनागुंडा गांव के करीब सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को मार गिराया है। उन्होंने बताया? कि छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना पर रविवार को कांकेर के 'डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड' (डीआरजी) और सीमा सुरक्षा बल की 132 वीं बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए कोटरी नदी के पूर्वी क्षेत्र के आमातोला, बिनागुंडा और कालपर गांव की ओर रवाना किया गया था।

मुख्यमंत्री शिंदे ने श्रीनगर में 15 राज्यों के शिवसेना पदाधिकारियों के साथ बैठक की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने रविवार को कश्मीर के श्रीनगर में 15 राज्यों के अपनी पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक के दौरान, उनसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद से शिवसेना के आधार का विस्तार करने के लिए काम करने को कहा। दोनों दलों की वर्तमान में महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार है। शिंदे के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि श्रीनगर में हुई बैठक में बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड और अन्य राज्यों से उनकी पार्टी के पदाधिकारी शामिल हुए।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

राजामहेंद्रवरम। पूर्वी गोदावरी जिले में सोमवार तड़के राजमार्ग पर कार के सड़क किनारे खड़ी लॉरी से टकराने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पूर्वी गोदावरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधीर कुमार रेड्डी ने बताया कि नल्लाचारला गांव में कार राजमार्ग से गुजर रही थी तभी वह सड़क किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। उन्होंने बताया कि हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा और दो महिलाएं शामिल हैं। कार सवार लोग विजयवाड़ा से राजामहेंद्रवरम जा रहे थे। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

तमिलनाडु के जवान के साथ बदमाशों ने की छेड़छाड़, सेना ने जवान का वीडियो वायरल होने के बाद लिया संज्ञान

चेन्नई। कश्मीर में तैनात भारतीय सेना के एक जवान की पत्नी ने रविवार को आरोप लगाया कि उसके साथ 40 से अधिक लोगों ने मारपीट की और छेड़छाड़ की। इस घटना के बाद जवान ने एक वीडियो बनाकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस से मदद की मांग की है। जवान का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में सेना का जवान तमिलनाडु में मौजूद अपनी पत्नी पर हुए कथित हमले के आरोपियों के खिलाफ पुलिस से कार्रवाई की मांग करते नजर आ रहे हैं। भारतीय सेना में हवलदार प्रभाकरन मुख्य रूप से तमिलनाडु के पदवेदु गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में कश्मीर में तैनात है। उन्होंने बताया कि पीड़ित हवलदार की पत्नी तमिलनाडु के पदवेदु गांव में ही लीज पर दुकान चलाती है। वहां लंबे अर्से

से कुछ लोग उसे परेशान कर रहे थे। इसी बीच बदमाशों ने दुकान का सामान बाहर फेंका और चाकू से महिला पर हमला किया। आरोपियों ने उनकी पत्नी को अर्धनग्न किया और बेरहमी से पीटा भी। वीडियो में पीड़ित सेना के जवान ने एसपी से मदद की गुहार लगाई है। जवान की मांग का वीडियो वायरल होने के बाद सेना ने रविवार को बताया कि इस घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। भारतीय सेना में हवलदार प्रभाकरन ने वीडियो जारी कर तमिलनाडु पुलिस प्रमुख से उनकी पत्नी पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया था। उन्होंने आरोपियों पर उसकी पत्नी को 'अर्धनग्न' और उस पर हमला करने का आरोप लगाया।

भारतीय सेना की उत्तरी कमान ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा, ''वर्दी में एक भारतीय सेना के जवान ने अपने परिवार की सुरक्षा के लिए डरते हुए बयान दिया। सेना ने पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर लिया है, जिन्होंने जांच के बाद हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।'' पुलिस ने शुरुआती जांच का हवाला देते हुए महिला पर हमले से इनकार किया है। फिलहाल, वो अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं, तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने हवलदार प्रभाकरन से बात की है।

डीवीसी 2030 तक बिजली उत्पादन दोगुना करेगीःचेयरमैन

बोकारो। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के चेयरमैन राम नरेश सिंह ने कहा कि कंपनी अगले सात साल में अपना वार्षिक बिजली उत्पादन दोगुना करेगी। सिंह ने कहा कि 2030 तक 15,000 मेगावाट वार्षिक बिजली उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 7,000 मेगावाट की वर्तमान क्षमता में 8,000 मेगावाट क्षमता और जोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि कंपनी नए बिजली संयंत्रों की स्थापना के लिए करीब 60,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सिंह ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा कहा, केंद्र ने डीवीसी को 8,000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले नए बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए तीन ताप विद्युत संयंत्र और दो सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि ताप विद्युत संयंत्र रघुनाथपुर (1,320 मेगावाट), कोडरमा (1,600 मेगावाट) और दुर्गापुर (800 मेगावाट) में स्थापित किए जाएंगे। सिंह ने कहा, हम 2,000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले दो सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की भी योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, हमारे पास लगभग 2,500 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए दो पंप स्टोरेज संयंत्र भी होंगे। उन्होंने कहा कि निगम इस समय दिल्ली, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और गुजरात के साथ ही पड़ोसी बांग्लादेश को भी बिजली की आपूर्ति कर रहा है।

जगन्नाथ मंदिर को 'रेड जोन' घोषित परिसर के आसपास ड्रोन उड़ाने पर रोक

भुवनेश्वर। भगवान जगन्नाथ की 20 जून को होने वाली वार्षिक रथयात्रा से पहले पुरी पुलिस ने 12वीं सदी के प्रसिद्ध मंदिर के

आसपास ड्रोन उड़ाने पर रोक लगा दी है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक जुलाई तक यह प्रतिबंध लागू रहेगा और इसका पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुरी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''अनुभवहीन लोगों द्वारा अनियंत्रित तरीके से ड्रोन का उपयोग श्रद्धालुओं के लिए जोखिम भरा हो सकता है। हमने पहले भी नियम तोड़ने वाले कुछ लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी।'' उन्होंने कहा कि श्री मंदिर, श्री गुंडीचा मंदिर, देवी-देवता के रथों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से परामर्श जारी किया गया है।

परामर्श में कहा गया है कि ड्रोन नियमावली, 2021 के प्रावधानों के अनुसार श्री जगन्नाथ मंदिर को 'रेड जोन' (निषिद्ध क्षेत्र) घोषित किया गया है और इसलिए किसी को भी मंदिर परिसर के ऊपर उपकरणों को उड़ाने की अनुमति नहीं है। इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी वैध यूआईएन (विशिष्ट पहचान संख्या) के बिना कोई संचालक ड्रोन नहीं उड़ाएगा। आदेश के मुताबिक, किसी भी संपत्ति को नुकसान होने या किसी के घायल होने जैसी किसी भी घटना की जिम्मेदार ड्रोन संचालकों की होगी। इसमें कहा गया है, ''ड्रोन नियमों का किसी भी तरह का उल्लंघन दंडनीय है। पहले भी ड्रोन उड़ाने के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर पुरी पुलिस ने एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया था।

राज्य चुनाव आयोग नामांकन केंद्रों के पास निषेधाज्ञा लागू करने पर कर रहा विचार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान नामांकन केंद्रों पर हिंसा की हुई छिटपुट घटनाओं के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग सोमवार से ऐसे केंद्रों के पास धारा 144 (निषेधाज्ञा) लागू करने पर विचार कर रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी न यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम बहुत जल्द नामांकन केंद्रो के आसपास धारा 144 लागू करने पर विचार कर रहे हैं। एक बार निर्णय लिये जाने के बाद एक अधिसूचना जारी की जाएगी और इसे लागू करने के लिये जिलाधिकारी के पास भेजा जाएगाऔर फिर इसे उन स्थानों के एक किलोमीटर के दायरे में भीड़ को रोकने के लिये लागू किया जाएगा। राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होने हैं।

सूत्रों का दावा, 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में राम लला की 'प्राण प्रतिष्ठा' करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगवान राम के भक्तों का एक दशक का लंबा इंतजार जनवरी 2024 में खत्म

होने जा रहा है। जनवरी में नवनिर्मित राम मंदिर में राम लला की 'प्राण प्रतिष्ठा' की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में राम लला की 'प्राण प्रतिष्ठा' करेंगे। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। सूत्रों के अनुसार मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगिराज श्यामशिला (चट्टान) से भगवान रामलला की मूर्ति का निर्माण करेंगे।

राम मंदिर निर्माण को लेकर मंदिर ट्रस्ट की दो दिवसीय अनौपचारिक बैठक हुई, जिसमें राम मंदिर में भगवान राम लला के अभिषेक को लेकर अहम चर्चा हुई। इससे पहले समिति ने राम जन्मभूमि परिसर और रामसेवकपुरम का निरीक्षण किया। ट्रस्ट की ओर से जानकारी दी गई है कि 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए विद्वानों से राय मांगी गई है। रामलला की मूर्ति बनाने पर भी फैसला लिया गया, जिसके लिए मूर्तिकार अयोध्या पहुंच गए हैं। बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, उडुपी पीठाधीश्वर विश्व तीर्थ प्रसन्नाचार्य, कामेश्वर चौपाल, अयोध्या नरेश विमलेंद्र मोहन मिश्र, डॉ. अनिल मिश्रा व निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेंद्र दास सहित ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि भी मौजूद रहे।

इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड ने कहा था कि वह सप्ताह भर चलने वाले 'प्राण-प्रतिष्ठा' समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करेगा। इसी दौरान अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति स्थापित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक सप्ताह भर चलने वाला समारोह जनवरी 2024 में मकर संक्रांति से या उसके एक दिन बाद शुरू होगा। ट्रस्ट प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए एक शुभ तिथि तय करने के लिए प्रसिद्ध ज्योतिषियों से परामर्श कर रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक, ट्रस्ट देशभर के मंदिरों में 'अयोध्या प्राण-प्रतिष्ठा' का आयोजन भी करेगा। उन्होंने कहा कि हम पीएम मोदी को एक पत्र लिखेंगे और उनसे अयोध्या आने का अनुरोध करेंगे।

गृह मंत्रालय ने मणिपुर में शांति बहाली के लिए उठाया बड़ा कदम

मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए केंद्र द्वारा घोषित राज्यपाल के नेतृत्व वाली समिति में 51 सदस्य शामिल हैं, जिनमें युद्धरत मेइती और कुकी समुदायों के लोग शामिल हैं। लेकिन कुकी समूहों के कई प्रतिनिधियों ने रविवार को कहा कि वे इस बात से खुश नहीं हैं कि उन्हें उनकी सहमति के बिना समिति में नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री पर सब कुछ छोड़ने के बजाय केंद्र को समिति का हिस्सा होना चाहिए। जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने के लिए गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा नामित लोगों में से 25 बहुसंख्यक मेइती समुदाय से हैं, 11 कुकी समूहों से संबंधित हैं और 10 नागा समुदाय से हैं। मुस्लिम और नेपाली समुदायों का प्रतिनिधित्व क्रमशः तीन और दो सदस्यों द्वारा किया जाएगा। शांति पैनल उपायों की एक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें एक न्यायिक जांच पैनल भी शामिल है, जिसकी घोषणा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर की अपनी चार दिवसीय यात्रा (29 मई से 1 जून) के अंत में की थी। शनिवार को समिति की घोषणा की गई, जिसमें गृह मंत्रालय ने राज्यपाल अनुसुइया उइके को अपना अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, राज्य के कुछ मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को अपना सदस्य बनाया। समिति की घोषणा करते समय, गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि इसमें विभिन्न जातीय समूहों के प्रतिनिधि होंगे, लेकिन इसकी संरचना पर कोई और विवरण नहीं दिया।

'ढोंग और आस्था में यही फर्क है', प्रियंका पर निशाना साधते हुए भाजपा ने बताया चुनावी हिंदू

नई दिल्ली। कर्नाटक में मिली जीत से गदगद कांग्रेस ने अभी से ही मध्य प्रदेश में अपनी ताकत लगानी शुरू कर दी है। आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मध्य प्रदेश के जबलपुर पहंची थी। उन्होंने सबसे पहले नर्मदा की पूजा की और फिर बाद में भाजपा पर जबपदस्त तरीके से निशाना साधा। हालांकि, प्रियंका गांधी के नर्मदा पूजन को लेकर भाजपा उनपर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई है। भाजपा ने प्रियंका को चुनावी हिंदू बताया है।

भाजपा ने प्रियंका के नर्मदा पूजा के कई वीडियो अपने ट्वीटर पर साक्षा किए हैं। एक में प्रियंका गांधी आरती करने के बाद आरती लेती नजर आ रही हैं। इसको लेकर भाजपा ने ट्वीट में कहा कि ढोंग और आस्था में यही फर्क है। प्रियंका गांधी को इतना नहीं पता कि आरती पहले भगवान को दी जाती है फिर इंसान लेते हैं। इसलिए ही इन्हें चुनावी हिंदू कहा जाता है। एक वीडियो में प्रियंका के पांव ब्राह्मण छूते नजर आ रहे हैं। इसको लेकर भाजपा ने तंज कसा है। भाजपा ने लिखा कि नर्मदा पूजन के बाद ब्राह्मण से पैर पड़वातीं यजमान प्रियंका गांधी। भाजपा ने लिखा कि प्रियंका जी यह कोई दरबारी नहीं,

आपकी पूजा संपन्न कराने वाले ब्राह्मण है।

भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इनके दिलों में आपके लिए कोई आस्था नहीं है। यहां आकर घोषणाएं करते हैं, उन्हें पूरा नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी बाते होती हैं, डबल इंजन और ट्रिपल इंजन की बाते होती हैं। ये हिमाचल और कर्नाटक में भी यही कहते थे। जनता ने इन्हें दिखा दिया कि ये डबल इंजन की बाते बंद करो और काम करो नहीं तो निकाल देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 220 महीनों के शासन में 225 घोटाले किए हैं। उन्होंने कहा कि व्यापम घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, पुलिस भर्ती घोटाला, खनन घोटाला, कोरोना घोटाला, बिजली विभाग का घोटाला, ई-टेंडर घोटाला, टीवी सेट वितरण घोटाला। इन्होंने नर्मदा मैया और महाकाल कॉरिडोर को भी नहीं छोड़ा।

फेसबुक पर शादीशुदा दलित महिला को हुआ प्यार, गहने लेकर घर से भागी, बॉयफ्रेंड ने जबरन कराया धर्मपरिवर्तन, पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र में अवैध धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। एक शख्स ने फेसबुक पर एक दलित परिवार की शादीशुदा महिला से दोस्ती की। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्यार हो गया और बाद में आदमी महिला को साथ भागा ले गया। जानकारी के अनुसार महिला को घर से भगाने के बाद इस्लाम में परिवर्तित करा दिया गया।

सिद्धार्थनगर के उप पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपी को पांच अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया है और आईपीसी की धारा 504 और 506, एससी/एसटी अधिनियम और उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण विरोधी कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। शैलेश कुमार की चार साल पहले लक्ष्मी से शादी हुई थी। हालांकि, इस साल 31 मई की रात को लक्ष्मी अपने साथ 55,000 रुपये और सोने के जेवरात लेकर अचानक लापता हो गई। परिजनों

ने घटना की सूचना तुरंत थाने में दी और कार्रवाई की मांग की। दो दिन बाद पता चला कि जिले के सिसवां गांव निवासी सजौल्लाह ने फेसबुक पर शैलेश की पत्नी से दोस्ती की थी और कुछ साथियों के साथ उसे मुंबई ले गया था। मुंबई में उन्होंने एक धर्म परिवर्तन किया और उसका नाम लक्ष्मी से मुस्कान में बदल दिया। इसके बाद, सज़ाउल्लाह ने निकाह समारोह में 'मुस्कान' से शादी की। युवती के परिजन मुंबई पहुंचे और दोनों पक्षों की समझाइश के बाद उसे ससुराल वापस लाने में कामयाब रहे।

शैलेश ने आजतक/इंडिया टुडे को बताया कि सज़ाउल्लाह के अपनी पत्नी से संबंध के बारे में उन्हें तब पता चला जब उन्होंने लक्ष्मी की चचेरी बहन से बात की. चचेरी बहन ने खुलासा किया कि लक्ष्मी सिसवां गांव के एक लड़के से फेसबुक पर चैट करती थी और दोनों फोन पर भी बात करते थे।

शैलेश ने यह भी कहा कि लक्ष्मी ने मुंबई ले जाने से पहले नासिक से कल्याण में रहने वाले अपने चाचा से संपर्क किया था। लक्ष्मी ने कथित तौर पर अपने चाचा से कहा कि उसे जबरन मुंबई ले जाया गया और वह छोड़ना चाहती है। इसके बाद उसका फोन स्विच ऑफ हो गया।

शिक्षा ऐसी सीढ़ी है जिससे चलती पीढ़ी है

शुआट्स में मूलभूत साक्षरता व न्यूमेरसी पर लेखन प्रतियोगिता आयोजित

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। एनसीटीई के सुझाव के अनुसार टीईआई के लिए जनभागीदारी गतिविधियों के तहत भारत की जी20 अध्यक्षता के उपलक्ष्य में शुआट्स में मूलभूत साक्षरता व न्यूमेरसी पर लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें डिपार्टमेन्ट आफ टीचर एजूकेशन की छात्राओं ने साक्षारता एवं अंकज्ञान पर विभिन्न स्लोगन प्रस्तुत किये।

विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट डीन डा. सामला मसीह ने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य साक्षरता व न्यूमेरसी को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों को शामिल करके जागरूकता बढ़ाना है। जनभागीदारी कार्यक्रम मिश्रित शिक्षा पर ध्यान देने के साथ जी-20 प्रेसीडेंसी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (एफएलएन) के बारे में गर्व की भावना भी पैदा करती है। प्रतियोगिता में छात्राओं अत्यन्त उत्साहवर्धक स्लोगन प्रस्तुत किये जिसमें 'शिक्षा ऐसी सीढ़ी है जिससे चलती पीढ़ी है', हर बच्चे का नारा है शिक्षा अधिकार हमारा है, साक्षरता ही है श्रृंगार हमारा, वरना व्यर्थ है जीवन सारा, यू मस्ट रीड इन आर्डर टू सक्सेस आदि प्रमुख थे। प्रतियोगिता में एडना वैशाली सेठ ने प्रथम तथा के.एम. मोनिका व जैनब सिद्दीकी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि बेनिसन मरांडी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में इस अवसर पर डा कीर्ति कटिंग, डा ज्योत्सना, डा निहारिका डेनिस, डा सारा अजीज, डा अनुपमा मेहता, डा एविस चिंतामणि, डा प्रेम प्रभा सिंह, डा संगीता अल्फ्रेड, डा प्रक्षोभ, पूजा सोनपाकर, डा राजीव आदि उपस्थित रहे।

अवैध बालू खनन में लिप्त तीन ट्रैक्टर व ट्रॉली को मेजा पुलिस ने पकड़ा

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। मेजा थाना कोतवाली पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त तीन ट्रैक्टर मय ट्राली को पकड़ा और सीज करने की कार्यवाही पूरी की। रबिवार को मेजा थाना क्षेत्र के चौकी प्रभारी कोंहड़ार अखिलेश कुमार सिंह द्वारा थाना क्षेत्र ग्राम शाहपुर टोंस नदी में तेजी से अवैध बालू खनन की खास सूचना पर घेराबंदी करते हुए मौके से तीन ट्रैक्टर-ट्रालियों को पकड़ा गया।हालांकि मौके से वाहन चालक व मालिक वाहन छोड़कर भाग गए।पुलिस के अनुसार अवैध बालू लदे तीनों ट्रैक्टर सहित ट्राली को थाना मेजा लाया गया और खान व खनिज अधिनियम के तहत सीज की कार्यवाही करते हुए वाहन स्वामी व चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए आगे विधिक कार्यवाही पूरी की गई।

जिला रजक सुधार सभा की आम सभा का आयोजन सम्पन्न हुआ

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज.कानपुर रोड स्थित धोबी घाट पर जिला रजक सुधार सभा की आम सभा का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसका संचालन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष हेमंत कुमार टुन्नू के द्वारा किया गया,जिससे यह निम्नलिखित प्रस्ताव आम सहमति के आधार पर पारित हुआ,उपरोक्त सभा में कैलाश कनौजिया द्वारा बताया गया कि जो सोसायटी अधिनियम के द्वारा उक्त सभा का पंजीयन हुआ था जो वर्ष 2013 में समाप्त हो गया था उसका नवीनीकरण पुनःवर्ष 2023 तक के लिए नवीनीकरण हो चुका है,जिन साथियों द्वारा सदस्यता शुल्क रसीदें ले जा चुके उन्हें समाचार पत्र एवं अन्य माध्यम से सूचित किया जाता है कि वे रसीदें अभिलंब 18/06/2023 तक कमेटी में अनिवार्य रूप से जमा कर दें, जिला रजक सुधार सभा कमेटी, सभा में उपस्थित रहे रमाकांत कनौजिया, किशन लाल,आशीष कनौजिया, अनंत कुमार चौधरी, मुन्नालाल मन्नूलाल, रामचंद्र होरीलाल,अमित कनौजिया,मनोज कुमार,गोविंद,शिव शंकर ,सुनील,पवन कुमार,अर्जुन किशन लाल,कैलाश चंद्र,सुनील उपस्थित रहे।

कुएं में मिला अज्ञात किशोरी का शव सूचना पर पहुंची पुलिस लोकेशन हंडिया प्रयागराज

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। जनपद के सराय ममरेज थाना के जंघई चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बजती गांव का है जहां कुएं में शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी डायल 112 पुलिस को दिया सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सराय ममरेज तरुणेंद्र त्रिपाठी मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाल कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया युवती कौन है कहां का है अभी इसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी हुई है। बता देंकि बजती गांव में सोमवार की सुबह भैंस चराने के लिए गए कुछ युवकों ने गांव के सुनसान पड़े इलाके की एक कुएं में झांक कर देखा तो एक शव कुएं में दिखाई दिया घटना गांव में आग की तरह फैल गई मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई ग्रामीणों ने घटना की जानकारी डायल 112 पुलिस को दिया सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने मामले की जानकारी समरेज पुलिस को दिया सूचना पर पहुंची पुलिस कड़ी मशक्कत के साथ युवती के शव को बाहर निकाला और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पत्नी और 2 सालों की हत्या मायके न भेजने पर महिला ने भाई बुलाए, कहासुनी में पति ने तीनों को गोलियां मारी

आधुनिक समाचार सेवा

हिसार के कृष्णा नगर में रविवार को ट्रिपल मर्डर हो गया। व्यक्ति ने घर में आपसी कहासुनी के कारण अपने दो सालों और पत्नी को लाइसेंसी रिवॉल्वर से माथे व छाती पर गोलियां मारीं। मृतकों की पहचान गांव धनाना निवासी मनजीत सिंह, मुकेश कुमार और सुमन के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान राकेश पंडित के रूप में हुई। वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। हादसे के बाद दो स्कूटियों पर बच्चों को लेकर भागा पत्नी और दोनों सालों की हत्या करने के बाद आरोपी राकेश पड़ोसियों की दो स्कूटियों पर भाग गया। एक स्कूटी उसके दोनों बच्चे चलाकर लेकर गए। जबकि दूसरी स्कूटी राकेश खुद लेकर गया। राकेश की बेटी का कोई अता पता नहीं है। राकेश के पास अपना खुद का कोई व्हीकल नहीं था। एमसी का चुनाव लड़ने के बाद उसने अपना बुलेट भी बेच दिया था और वह कहीं पर भी पैदल ही जाता। या फिर पड़ोसियों का व्हीकल प्रयोग करता था। परिवार में उसका पिता और मां है। पड़ोसी ने छुड़वाने का किया प्रयास राकेश की जब अपनी पत्नी और दोनों सालों के साथ हो रहा था विवाद पुलिस छानबीन में जुटी।

कोड़पुर गांव में सोशल आडिट टीम ने कार्यों का किया भौतिक सत्यापन

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। केंद्र सरकार की मनेरगा योजना के अंतर्गत गांवो में कराए जा रहे विकास कार्यों का स्थलीय और अभिलेखीय भौतिक सत्यापन के लिए सोशल आडिट टीम ने सोमवार को ग्राम पंचायत सचिवालय कोड़ापुर में अपने टीम के साथ पहुंच कर मनरेगा मजदूरों के साथ मीटिंग की उनसे मनरेगा कार्यों का विस्तार पूर्वक जानकारी लेने के साथ ही कामों हो आ रही दिक्कतो के बारे में पूंछ तांछ किया जिसमे कुछ मजदूरों ने बताया की चिलचिलाती धूप में मनरेगा का जो कार्य कराया जा रहा है उसमे मेहनत के हिसाब से बहुत कम मजदूरी मिल रही है गरीबी के कारण मजबूरी में मनरेगा की मजदूरी करनी पड़ रही है उसके बाद भी समय से पैसों का भुगतान

नहीं मिल पाता है। सरकार को महंगाई के हिसाब से मनरेगा मजदूरों की महदूरी कम से कम 400 रुपए करनी चाहिए हिस्से गरीबों का जीवन यापन हो सके। एडिटर राजेश कुमार त्रिपाठी ने गंभीरता पूर्वक मनरेगा मजदूरों की बाते सुनी कुछ लोगो ने जाब कार्ड बनवाने की मांग की वहीं एडिटर ने रोजगार दिवस मनाए जाने पर जोर दिया साथ ही गर्मी को देखते हुए सुबह शाम ही कार्यों को अच्छी तरह से करने की सलाह दी उक्त टीम ने गांव में मनरेगा के अंतर्गत कराए जा रहे तालाब खुदाई,प्रधामंत्री आवास और चकमर्गों का भौतिक सत्यापन भी किया उक्त टीम मनरेगा कार्यों से संतुष्ट दिखी और बोली की जमीनी हकीकत में मनरेगा का कार्य हो रहा है। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने कहा की मनरेगा के चलते बहुत सारे गरीब मजदूरों का जीवन यापन हो रहा है कोरोना काल के दौरान बहुत लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गए थे रोजी रोटी बंद हो गई थी तो उस समय मनरेगा बहुत बड़ी सहारा बनी थी आज भी गांवो में मनरेगा के चलते कितने लोगो की रोजी रोटी चल रही है साथ ही साथ गांव में विकास कार्य भी दिखाई दे रहा है। मौके पर सोशल आडिट टीम में ब्लाक कोवाडिनेटर राजेश कुमार त्रिपाठी,आडिट सदस्य मोहम्मद अहमद,राज बहादुर, पंचू लाल,सुशीला देवी ग्राम प्रधान फूलकली,सचिव संतोष कुमार सिंह, टी ए पन्ना लाल प्रजापति, प्रधानपति मौजी लाल रावत,रोजगार सेवक अनिल कुमार,मेठ संध्या देवी, सफाई कर्मचारी राम प्रसाद , मुकेश कुमार उर्फ अंशू नेता,दीप चंद्र, राजकुमारी, कुसुम देवी, कौशल्या, राजकुमारी, अनार कली, कलावती, गेना देवी,विटोला देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वन माफिया जबरन हरे पेड़ों पर दिन दहाड़े चला रहे आर

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। थाना क्षेत्र के पूरे विक्रम शाह गांव में वन माफिया दिन दहाड़े आरा चला कर हरियाली को चट कर रहे है। प्रदेश सरकार एक ओर हरित क्रांति लाने के लिए वन विभाग के सहयोग से करोड़ों पौधे लगवा कर प्रदेश को हरा भरा बनाने में जुटी है जिससे प्रदोषण मुक्त और आक्सीजन युक्त प्रदेश बने किंतु कुछ वन माफिया पुलिस और वन विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत से चंद पैसे देकर गांवो की हरियाली खत्म करने में जुटे है इन्हे जरा भी समाज की आने

वाली पीढ़ी के बारे में कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है यह केवल पैसा कमाने के मद में मस्त है इसकी जानकारी न तो पुलिस के उच्च अधिकारियों को है और न ही वन विभाग के अधिकारियों को है यह केवल निकले कर्मचारियों की मिली भगत से खेल खेला जा रहा है फिल हाल वर्तमान थाना प्रभारी फूलपुर यशपाल सिंह और वन क्षेत्राधिकारी फूलपुर अशोक कुमार ने हरे पेड़ों के कटान पर पूरी तरह से पाबंदी लगा रखी है जहां भी उक्त अधिकारियों के संज्ञान में मामला आता है उस पर कड़ी कार्यवाई हो रही है।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

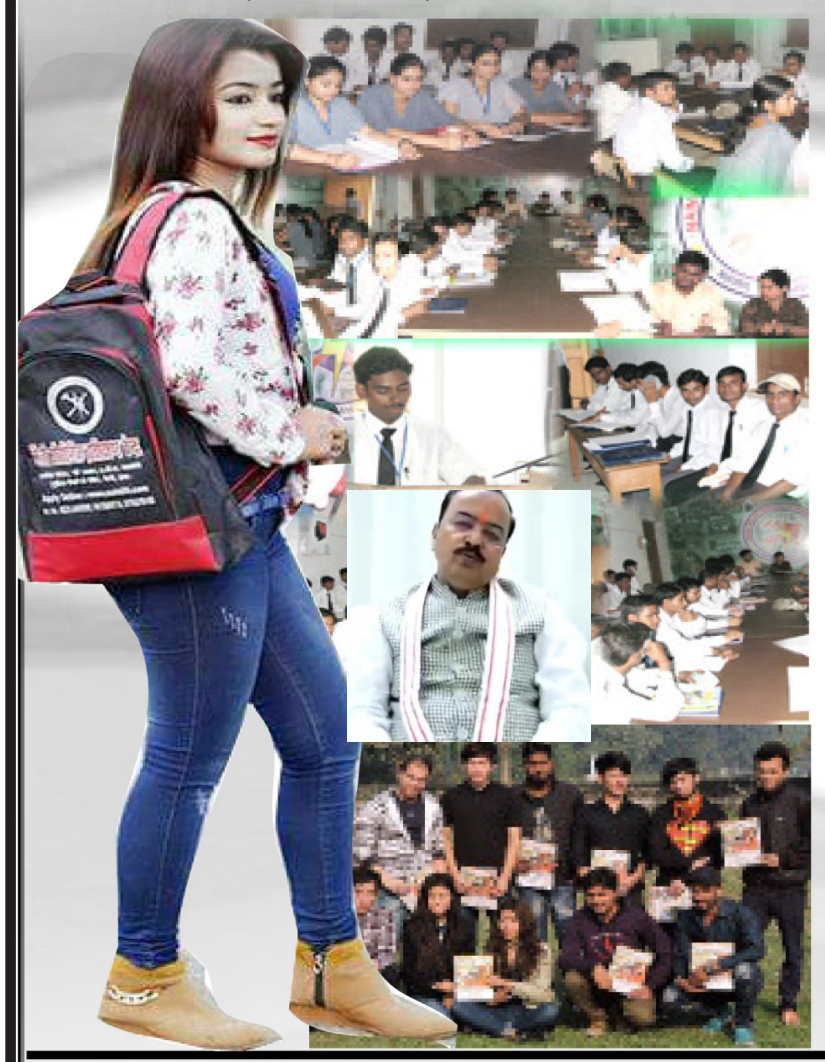

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को मिली बड़ी सफलता

काउंसिलिंग के माध्यम से 08 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है । जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 08 बिछड़े दम्पत्तियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुयी काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया । उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे ।

परिवार परामर्श केन्द्र, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान म0नि0 सीमा सिंह, परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी म030नि0 शशि तिवारी, महिला आरक्षी सपना तथा सदस्यगण श्रीमती निर्मला राय, डा0कृष्णा सिंह, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे ।

बालू लदी हाईवा ट्रक अनियंत्रित होकर हुई दुर्घटना का शिकार चालक की मौत

आधुनिक समाचार सेवा

चोपन सोनभद्र। थाना क्षेत्र के प्रीत नगर में बालू से लदी हुई ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गई घटना वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग के प्रीत नगर पेट्रोल पंप के पास की है जब दुद्धी से बालू लोड कर कर हाईवा ट्रक वाराणसी की तरफ जा रही थी कि अचानक सुबह 6:00 बजे प्रीत नगर के पास वोट के दौरान हाईवे ट्रक सामने खड़ी ट्रक में जा घुसी जिससे चालक हाईवा के केबिन में फस गया स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद चालक को निकाला गया जिसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे चौपाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया । किंतु इलाज के दौरान चालक दीपक पुत्र उमेश उम्र 35 वर्ष निवासी घोरावल की मौत हो गई वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

रामकथा में राम-सीता स्वयंवर की हुई प्रस्तुति

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़।परसीपुर-सिंधौर, दूल्हेपुर के रामलीला मैदान में सामूहिक रुप से हो रहे सात दिवसीय संगीतमयी रामकथा के पाँचवे दिन चित्रकूट से पधारे कथा व्यास आचार्य बृज किशोर दासजी महराज ने सीता विवाह का प्रसंग सुनाया।

उन्होंने बताया कि मिथिला नरेश राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह हेतु स्वयंवर रचाया था जिसका निमंत्रण उन्होंने महर्षि विश्वामित्र को भी भेजा था। उस समय श्री राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ उनके आश्रम में थे इसलिए उन्होंने सोचा कि श्री राम लक्ष्मण को भी मिथिला में उनके साथ चलना चाहिए। उसके बाद ऋषि विश्वामित्र राम और लक्ष्मण के साथ मिथिला नगर में पहुंचते हैं जहां पर राजा जनक अतिथि रूप में उनका स्वागत करते हैं। राजा जनक ऋषि विश्वामित्र को कहते हैं कि उन्हें अति प्रसन्नता

हुई है कि आप हमारे नगर में मेरी पुत्री सीता को विवाह के लिए आशीर्वाद देने आए हैं। अगले दिन राजा जनक के महल मे दरबार लगता है जिसमें देवी सीता का स्वयंवर रचाया गया था। गुरु का आदेश मिलते ही मर्यादा पुरुषोत्तम ने शिव धनुष का खंडन किया जिसके बाद माता सीता ने उनके गले में वर माला डाली जिसके बाद विवाह सम्पन्न हुआ । महिलाओं ने मंगलगान गाए। इस दौरान सुनील मिश्र, शिव शंकर तिवारी,राबेन्द्र दुबे, सत्यराज सरोज, बब्लू वर्मा,सुनील मिश्र, माताफेर तिवारी, राजेश गौतम उर्फ खन्ने आदि मौजूद रहे ।

नगवां के धुर घाट से बेख़ौफ़ हो रहा बालू खनन, वन विभाग की मिली भगत से चल रहा बड़े पैमाने पर खेल

कल तक अवैध खनन के खिलाफ आवाज उठाने वाला युवक भी ट्रैक्टर खरीद अवैध खनन में हुआ शामिल

आधुनिक समाचार सेवा

दुद्धी/सोनभद्र। रेनुकूट वन प्रभाग के बघाडू वन रेंज अंतर्गत कनहर नदी के धुर घाट से बेख़ौफ़ बालू खनन का खेल चल रहा है और एक ही रात में दिघुल ,नगवां ,बघाडू के चर्चित खननकर्ताओं द्वारा पचासों ट्रैक्टर बालू निकाला जा रहा है ,इस खेल में वन विभाग की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है , बताया जा रहा है कि बीट के दरोगा फ़ारेस्टगॉर्ड की मिलीभगत से सरकार को लाखों का राजस्व का चूना लगाया जा रहा है । खननकर्ता नदी से खनन कर निकाले गए बालू को ऊंचे दामों पर बेच कर अपनी जेबें गर्म कर रहे है । बघाडू के ग्रामीणों ने बताया कि कल तक अवैध खनन पर आवाज बुलंद करने वाला युवक भी अब ट्रैक्टर खरीदकर खननकर्ता बन बैठा है जो अन्य खननकर्ताओं के साथ मिलकर अपनी सरपरस्ती में सिंडिकेट के साथ खनन कर रहा है । कथित युवक अधिकारियों के लोकेशन में दिघुल से लेकर बघाडू तक अधिकारियों के लोकेशन में पूरी रात रहता है और अन्य साथियों को बराबर लोकेशन देता रहता है । पर्यावरण कार्यकर्ता रमेश ,प्रमोद ,जमुना आदि ने नगवां के सभी घाटों धुर घाट, टावर घाट ,स्मशान घाट ,सिरोसती घाट आदि घाटों से अवैध खनन रोके जाने की मांग उठाई है ।इस मामले में वन विभाग के एसडीओ भानेन्द्र सिंह कहा कि वे मामले की जांच करेंगे और कार्रवाई करेंगे।

नगवां में ट्रैक्टरों से बालू डंप कर टीपरो में करते है लोडिंगः नगवां में खननकर्ता नदी के बालू को बपौती समझने लगे है जो मौका देख ट्रैक्टरों से निर्जन स्थानों पर बालू डंप कर उसे टीपरों में लोडिंग कर क़स्बे में आपूर्ति दे रहे है। ये खननकर्ता कहते फिर रहे है कि जब अधिकारियों को इंट्री दे ही रहे है तो ट्रैक्टर लोड करें या ट्रक उससे क्या फर्क पड़ता है ।

जाम के झाम में कराहता दुद्धी नगर, ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई

आधुनिक समाचार सेवा

दुद्धी/सोनभद्र।एक तो भीषण गर्मी में लोगों को घर जाने की जल्दी ऊपर से जाम के झाम में दुद्धी क़स्बा । इन दिनों क़स्बे में जाम आम बात हो गयी है चाहे वह माँ काली मंदिर तिराहा हो या तहसील तिराहा चाहे म्योरपुर तिराहा सभी जगह दिन भर में कई बार जाम

लग जाने से राहगीरों को खासी फजीहत झेलनी पड़ रही है ,परेशान राहगीरों में माथे पर टेंशन की सिलवटे बड़े आसानी से दिख जा रही है जो प्रशासन को कोस कर मन की भड़ास निकाल रहे है । क़स्बे में जाम लगने का कारण सड़को पर अतिक्रमण है वही लचर ट्रैफिक व्यवस्था इस पर आला अधिकारियों का कोई ध्यान नही दे रहे। क़स्बा वासियों ने इस मामले में डीएम का ध्यान आकृष्ट कर क़स्बे वासियों को जाम की झाम स्व निजात दिलाये जाने का मांग किया है।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई, तीन घायल

आधुनिक समाचार सेवा

डाला ।सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमुरा मे आज सोमवार सुबह लगभग 8 बजे के करीब तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिसमे बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए, जिसमें एक गंभीर रूप से घायल है। सभी घायलों को स्थानियों के मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया। बता दें कि बाइक सवार तीनों

युवक चोपन थाना क्षेत्र के जवारीडार से गुरमुरा की तरफ जा रहे थे, वहीं गुरमुरा से एक किलोमीटर पहले ही बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दौरान बाइक सवार युवक अरुण पुत्र राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि वो सुबह सलखन से हथवानी जा रहे थे इसी बीच उन्हें जवारीडार में अपने दो रिश्तेदार कपीश व उमेश पुत्र सोभा निवासी बेलादह, ग्राम पंचायत पनारी मिल गए जो कि बेलादह जा रहे थे। फिर तीनों एक ही बाइक पे जवारीदाड़ से आगे निकले, तभी गुरमुरा से एक किलोमीटर पहले ही बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई, जिसमें दो युवकों को मामूली तो वहीं एक युवक को गंभीर चोटें आई हैं।

प्रतापगढ़ में 2200 करोड़ के निवेश से 05 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

प्रतापगढ़ के आँवला किसानों ने आँवले की मिठास को देश व दुनिया में पहुँचाया-मुख्यमंत्री,देश की जनता को रोटी-कपड़ा और मकान मुहैया कराना प्रधानमंत्रीजी का सपना-नितिन गडकरी

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज यहां प्रतापगढ़ स्थित सुखपालनगर बनवीरकांछ में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रतापगढ़ में 2200 करोड़ की लागत से पाँच सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुये मुझे खुशी हो रही।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है आगामी कुंभ से पहले ये सभी कार्य पूर्ण कर लिये जाय। उन्होंने बताया कि रायबरेली से प्रयागराज तक 3200 करोड़ की लागत से 105 किमी0 मार्ग को फोरलेन करने का कार्य अक्टूबर 2024 तक पूरा हो जायेगा।इसमें 33 किमी0 में कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रतापगढ़ से सुल्तानपुर तक (एन0एच0-330) 1290 करोड़ की लागत से 43 किमी0 फोरलेन चौड़ीकरण का कार्य कराया जायेगा। इस मार्ग के चौड़ीकरण से प्रयागराज से प्रतापगढ़ होकर अयोध्या आने-जाने का समय बचेगा उन्होंने बताया कि सांसद संगमलाल गुप्ता द्वारा बाईपास में एक्सटेंशन की मांग की गयी थी जिसमें 225 करोड़ की लागत से 6 किमी0 बाईपास एक्सटेशन का कार्य इसी माह अवार्ड हो जायेगा। रायबरेली-प्रतापगढ़-जौनपुर मार्ग में 1200 करोड़ की लागत से 50 किमी0 टूलेन पेव्ड शोल्डर बाईपास का टेण्डर अगस्त 2023 में हो जायेगा।इस मार्ग में लालगंज, मोहनगंज, रानीगंज जैसे मुख्य बाजार पर ट्रैफिक जाम की समस्या हल होगी। चिलबिला से लोहिया नगर तक 333 करोड़ की लागत से 21 किमी0 टूलेन पेव्ड शोल्डर मार्ग का निर्माण अगस्त 2023 तक शुरू हो जायेगा।

प्रतापगढ़ से गौरीगंज तक 1100 करोड़ की लागत से 70 किमी0 टूलेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण दिसम्बर 2023 में शुरू हो जायेगा। इस मार्ग के बनने से अमेठी से जगदीशपुर, प्रतापगढ़ आना-जाना आसान हो जायेगा। एन0एच0-31 पर 27 करोड़ की लागत से स्ट्रीट लाइट, बस शेल्टर और कटरा तिराहे पर रोड सेफ्टी का कार्य कराया जायेगा। उन्होंने जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि नौजवानों के हाथों को काम मिले, किसानों के खेतों को पानी मिले, कानून व्यवस्था अच्छी रहे, युवाओं को रोजगार का अवसर मिले, अच्छे स्वास्थ्य व शिक्षा की व्यवस्था हो तथा जनता को रोटी, कपड़ा और मकान मिले ऐसे भारत के निर्माण का सपना माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था का जिस प्रकार निर्माण हुआ है उसके लिये प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा मिला है जिससे उत्तर प्रदेश का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रतापगढ़ में 2200 करोड़ से अधिक के निवेश से पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योग आने चाहिए। जिससे रोजगार मिलेगा और जब तक रोजगार नहीं मिलेगा गरीबी दूर नहीं होगी किसानों का विकास तथा औद्योगिक विकास सरकार का मुख्य ध्येय है। उन्होंने सांसद संगमलाल गुप्ता की सराहना करते हुये कहा कि प्रतापगढ़ के विकास में सांसद संगमलाल गुप्ता का सार्थक प्रयास रहा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुये प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का बहुमुखी विकास हो रहा है प्रदेश में 54 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है और कहा कि पिछले 9 वर्षों में देश व प्रदेश का जितना विकास हुआ है पहले कभी नहीं हुआ प्रतापगढ़ की चर्चा करते हुये कहा कि प्रतापगढ़ के किसानों ने ऑवले के मिठास को देश व दुनिया में पहुँचाया है इसीलिए प्रतापगढ़ के ऑवले को वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट के लिये चयनित किया गया है। उन्होंने प्रतापगढ़ के ऑवला किसानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्हांने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज जिन महत्वपूर्ण परियोजओं का शिल्यान्यास किया है उसके लिये उन्हें बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है उनमें प्रतापगढ़ से अयोध्या को जोड़ने के लिये मार्ग का निर्माण महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2025 में प्रयागराज में भव्य कुंभ का आयोजन होगा। आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जो कानून व्यवस्था है उस पर कोई प्रश्न नहीं उठा सकता और डबल इंजन की सरकार ने स्पीड के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है। मुख्यमंत्री जी ने आशा व्यक्त की जिन पांच महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है वह समय से पूर्ण होगी तथा प्रदेश की जनता को उसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार)/प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रतापगढ़ में संचालित विकास परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सांसद संगमलाल गुप्ता ने स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शहनवाज हुसेन, प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती सिंह, सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री शिवाकान्त ओझा, पूर्व विधायक धीरज ओझा, पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ल, वरिष्ट भाजपा नेता नागेन्द्र रघुवंशी, राजा अनिल प्रताप सिंह पार्टी के पदाधिकारीगण तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशाप्रिया एवं जनपद के अधिकारी व सम्बन्धित उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शासकीय अधिवक्ता विवेक उपाध्याय व दीप्ती शाही ने किया।

गर्मी में आंखों को यूवी किरणों से होता है नुकसान, ऐसे बचाएं

गर्मी में सूरज से निकलने वाली हानिकारक अल्ट्रावायलट किरणें शरीर के साथ आंखों पर भी बुरा असर डालती हैं। गर्म मौसम में जब आप घर से निकलते हैं तब इन हानिकारक किरणों से आंखों को बचाना बेहद जरूरी है। इन किरणों के संपर्क में आने से और धूप में ज्यादा देर रहने से आंखों में ऐलर्जिक रिऐक्शन हो सकता है। दरअसल, आंखों को दिमाग से जोड़ने वाली बारीक शिराएं आंखों की त्वचा के बहुत नजदीक होती हैं इसलिए ज्यादा देर धूप में रहने से आंखों को नुकसान पहुंचता है। **ठंडे पानी से आंखें धोएं :** धूप से लौटने के बाद शरीर का तापमान बढ़ जाता है इसलिए पहले शरीर को धीरे-धीरे सामान्य तापमान पर आने दें। इसके लिए पंखे के नीचे पांच मिनट तक बैठ जाएं। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरे और आंखों को अच्छी तरह धोएं। आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारें और फिर मुलायम तौलिये से चेहरा पोछें। अगर आंखों में जलन ज्यादा है और आंखें लाल हैं तो बर्फ से आंखों की सिंकाई करें। **आंखों की रोशनी यूं रखें बरकरार :** आंखों में चुभन हो, जलन हो या कोई धूल कण चला जाए तो कुछ लोग फौरन ही आंखों को रगड़ने लगते हैं। ऐसा करने से आंखों को कई तरह के नुकसान होते हैं लिहाजा, ऐसा कभी न करें। अगर आंखों में किसी तरह की दिक्कत हो तो साफ रुमाल या कपड़े से इसे हल्के हाथों से सहलाएं और ठंडे पानी से धोएं। **सनग्लासेज लगाएं :** धूप का चश्मा सूरज से निकलने वाली घातक ऊव किरणों से आंखों की रेटीना को बचाने का काम करता है। तेज धूप के कारण आंखों की रोशनी पर प्रतिकूल असर पड़ने के साथ ही धूल के कण रेटिना को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा तेज धूप में ऊव किरणों से आंखों

के ऊपर बनी टीयर सेल यानी आंसूओं की परत टूटने या क्षतिग्रस्त होने लगती है। यह स्थिति कॉर्निया के लिए हानिकारक हो सकती है। आंखों के कॉर्निया को भी यूवी किरणों से उतना ही नुकसान पहुंचता है जितना रेटीना को। लिहाजा धूप में निकलते वक्त सनग्लासेज पहनने से इस परेशानी से बचा जा सकता है। **गर्मी के मौसम के लिए परफेक्ट है आइस क्यूब फेशल:** चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने में बर्फ से बेहतर और कुछ नहीं है। यही बात फेस पर भी लागू होती है। अगर आप करवाने जा रही हैं फेशल तो आपके लिए बेस्ट रहेगा आइस क्यूब फेशल। खास बात यह कि इसे करवाने के लिए आपको पार्लर जाने की जरूरत नहीं और आप इसे घर पर ही बड़ी आसानी से कर सकती हैं। गर्मियों से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स से निजात दिलाने के साथ ही आइस क्यूब्स से आपकी स्किन में आएगा ग्लो और शाइन.... **इंस्टेंट ग्लो के लिए :** आइस-क्यूब फेशल आपके चेहरे को इंस्टेंट ग्लो देता है। इसके लिए खीरे के रस, शहद और नींबू के रस का मिक्सचर बनाएं और इसे आइस ट्रे में जमा लें। फिर इसे हल्के हाथों से 3 से 5 मिनट तक चेहरे पर मलें। इसे 5 मिनट के चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और फिर धो लें। ये त्वचा को शाइनिंग देने के साथ ही उसे हेल्दी भी रखेगा। **चेहरे से ऑइल होगा कम :** बर्फ मलने से पोर्स सिकुड़कर कम हो जाते हैं, जिससे स्किन से निकलने वाले ऑइल की मात्रा भी कम हो जाती है। फेस से ऑइल कम होता है, तो उस पर धूल, मिट्टी आदि के चिपकने का खतरा कम होता है जिससे स्किन ज्यादा ग्लोइंग और खूबसूरत नजर आती है। इससे पसीने की समस्या से भी निजात मिलता है। इसके लिए बर्फ के टुकड़े को कॉटन के कपड़े में लपेट कर 30 मिनट तक चेहरे की मालिश करें। इससे खुले रोम छिद्र भर जाते हैं। **सनबर्न और एजिंग पर असर :** रोज़ाना आइस मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जिससे समय से पहले झुर्रियां या बढ़ती उम्र की निशानियों से छुटकारा मिलता है। मुट्ठीभर बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर, हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। वहीं, अगर सनबर्न से स्किन जल गई है और उस पर दाग धब्बे आ गए हैं, तो एक मलमल के कपड़े में एक बर्फ का टुकड़ा डाल कर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। आप आइस क्यूब जमाते समय उसमें ऐलोवेरा डाल देंगी, तो आपको एक से दो दिन में ही प्रॉब्लम से राहत मिल जाएगी। **चेहरे की चर्बी घटाए :** आइस क्यूब फेशल चेहरे पर मसाज का भी काम करता है। अगर आपके चेहरे पर फैट है, तो बर्फ का एक टुकड़ा हर दिन 3-4 मिनट तक चेहरे पर रगड़ने से 2-4 हफ्ते में चेहरे की चर्बी कम हो जाएगी। **आंखों को करता है रिलैक्स :** लगातार काम करने से आंखें थक जाती हैं। इसके लिए आप अपनी आखों पर बर्फ की मालिश करें। **डार्क सर्कल के लिए :** आंखों के नीचे काले घेरे पड़ गए हैं तो इनके लिए खीरे के रस और गुलाब जल को आइस क्यूब ट्रे में डालकर जमा लें। इसके इस्तेमाल से डार्क सर्कल की समस्या जल्द दूर हो जाएगी। अगर आंखों में सूजन है तो बर्फ तुरंत आपकी आंखों को रिलैक्स कर देगी। बेहतर और तेज रिज़ल्टस के लिए एक कप पानी में स्ट्रॉन्ग ग्रीन टी को उबालकर फिर इसे आइस-ट्रे में जमा लें। ग्रीन टी में भरपूर मात्रा में ऐंटी-ऑक्सिडेंटस होते हैं और साथ ही थोड़ी मात्रा में कैफीन आंखों की सूजन से भी आराम देता है। **पिंपल्स से पाएं छुटकारा :** पिंपल से छुटकारा पाने का एक आसान तरीका है उस पर बर्फ लगाना। ये ना सिर्फ उसकी रेडनेस को कम करेगा बल्कि दर्द को भी। हमेशा बर्फ को किसी कपड़े या प्लास्टिक के बैग में लपेटकर ही इस्तेमाल करें, सीधे इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। यही नहीं, चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए बर्फ के टुकड़े से चेहरे पर मालिश करने से फायदा मिलता है।

हड्डियों को मजबूत करने के लिए जरूर अपनाएं ये तीन आदतें, विटामिन डी की कमी होगी पूरी

हमारे शरीर के लिए कई प्रोटीन और विटामिन्स जरूरी होते हैं। इन्हीं में से एक जरूरी न्यूट्रिएंट विटामिन डी है। यह कैल्शियम के इस्तेमाल को बेहतर बनाता है। शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर शरीर कैल्शियम का इस्तेमाल बेहतर तरीके से नहीं कर पाता है। जिसके कारण हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर फैक्चर का ज्यादा खतरा, हड्डियों में दर्द, हड्डी का गलत विकास, ऑस्टियोपोरोसिस, डिप्रेशन, मांसपेशियों में कमजोरी, थकान और बार-बार बीमार पड़ना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। विटामिन डी की डेली डोज विटामिन डी पाने का बेस्ट सोर्स धूप होती है। लेकिन धूप में जाने से पहले आपको नीचे बताई गई तीन बातें ध्यान में रखना जरूरी होता है। इससे शरीर इस विटामिन को जल्दी अवशोषित यानी की आसानी से प्राप्त कर लेता है। बाहर घूमने की आदत अपने डेली रूटीन में रोज टहलने की आदत बनानी चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, खासतौर से सुबह और शाम की धूप के समय सूरज की रोशनी में 8-10 मिनट तक टहलना चाहिए। सुबह और शाम के वक्त सूरज की खतरनाक किरणें कम होती हैं और यह आपकी स्किन को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। सनस्क्रीन को कहें न आजकल लोग बाहर जाने से पहले सूरज की यूवी किरणों से बचने के लिए सनस्क्रीन लगाई जाती है। लेकिन यदि आप इसको लगाकर बाहर टहलने जाते हैं तो विटामिन डी का उत्पादन भी ब्लॉक हो जाता है।

दिल को रखना है दुरुस्त तो करना होगा ये काम

प्रति दिन सात घंटे की नींद आप के दिल को जवां रख सकती है और साथ ही दिल संबंधी रोगों का जोखिम भी घटा सकती है। शोध से पता चला है कि रात में सात घंटा नींद लेने वाले वयस्कों में दिल का बुढ़ापा सबसे कम है। सात घंटे से कम या ज्यादा की नींद का संबंध दिल की जवानी से जुड़ा हुआ है, जबकि कम नींद लेने वालों के दिल में बूढ़ापन देखा गया है। नींद की अवधि, दिल की उम्र के साथ मिलकर दिल संबंधी जोखिमों व नींद की अवधि के फायदे के संप्रेषण में मददगार साबित हो सकती है। अमेरिका के जार्जिया में इमोरी विश्वविद्यालय की जूलिया दुरमर ने कहा, 'ये परिणाम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह लोगों के दिल संबंधी जोखिमों के संचार व नींद की अवधि को शामिल करने के परिमाणात्मक पद्धति को प्रदर्शित करते हैं।' इस शोध का प्रकाश 'स्लीप' नामक पत्रिका में हुआ है। इसमें 12,775 वयस्कों के आंकड़ों को शामिल किया गया, जिनकी आयु 30 से 74 साल के बीच थी।

दुनिया के 77 प्रतिशत युवा, नींद ना आने की वजह से बीमार हो रहे हैं: अगर आप 8 से 9 घंटे की नींद ले रहे हैं तो आप दुनिया के सबसे खुशकिस्मत लोगों में से एक हैं। लेकिन दुख की बात ये है कि दुनिया के 77 प्रतिशत युवा, नींद ना आने की वजह से बीमार हो रहे हैं। इस सर्वे में भारत सहित दुनिया के 13 देशों के 15 हज़ार लोगों को शामिल किया गया है। इस सर्वे में भारत और जापान के लोगों की हालत चिंताजनक है। इन दोनों ही देशों के लोग औसतन 7 घंटे से कम सोते हैं जबकि अच्छी नींद लेने वाले देशों की लिस्ट में अर्जेन्टिना, स्पेन और यूक्रेन शामिल है। इन देशों में लोग औसतन 10 घंटे की नींद लेते हैं । एक सर्वे के मुताबिक जापान में काम के दबाव की वजह से करीब 2 हज़ार लोग हर साल आत्महत्या कर लेते हैं। इनमें से ज़्यादातर लोग कम नींद लेने की वजह से डिप्रेशन से पीड़ित होते हैं। इस समस्या को कम करने के लिए जापान की कुछ कंपनियों ने अपने कर्मचारियों के लिए थ्रीम में ही नींद लेने की व्यवस्था की है।

अगर आप भी करते हैं मार्केटिंग की जॉब तो यह खबर पढ़कर चौंक जाएंगे आप

अगर आपकी नौकरी कार्यालय में बैठने के बदले बाहर दौड़-भाग करने वाली है, यदि आप मार्केटिंग जॉब में हैं तो आपको ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। एक नए शोध में सामने आया है कि विभिन्न तरह के बाहरी व्यवसायों के दौरान नॉन मेलेनोमा त्वचा कैंसर के होने का जोखिम होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, नॉन मेलेनोमा त्वचा कैंसर के मुख्य कारकों में से एक सूर्य के अल्ट्रावॉयलेट (पराबैंगनी) विकिरण हैं। यह दुनिया भर में होने वाला आम कैंसर है।इसे नॉन मेलेनोमा त्वचा कैंसर के रूप में पहचाना गया है। कई देशों में यह बाहर काम करने

वाले मजदूरों में व्यवसाय से जुड़ी हुई बीमारी है। हालांकि, बाहर के व्यवसाय विभिन्न प्रकार की दैनिक गतिविधियों व अल्ट्रावॉयलेट विकिरण के संपर्क में आने से जुड़े हैं। इस शोध का प्रकाशन 'जर्नल ऑफ द यूरोपीयन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरियोलॉजी' में किया गया है। इसमें 563 प्रतिभागियों (47 फीसदी महिलाओं) को शामिल किया गया, जिसमें 348 लोग बाहर काम करने वाले श्रमिक (39 फीसदी किसान, 35 फीसदी माली, 26 फीसदी माउंटेन गाइड) थे और 215 घर के भीतर काम करने वाले लोग थे।इसमें पाया गया कि नॉन मेलेनोमा त्वचा कैंसर 33।3 फीसदी माउंटेन गाइडों, 27।4 फीसदी किसानों, 19।5 फीसदी बगीचे के मालियों व 5।6 फीसदी घर में काम करने वाले श्रमिकों में पाया गया।शोधकर्ताओं ने कहा कि बाहरी काम करने वालो में भी इसका सबसे ज्यादा जोखिम माउंटेन गाइडों में देखने को मिला। **विटामिन थेरेपी कम कर सकती है त्वचा कैंसर का खतरा** वैज्ञानिकों के अनुसार विटामिन बी3 के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली थेरेपी संभवतः मेलेनोमा नामक घातक त्वचा कैंसर के खतरे को कम कर सकती है। इन वैज्ञानिकों में भारतीय मूल का एक वैज्ञानिक भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि निकोटिनामाइड, डीएनए में हुई क्षति, सूजन और पराबैंगनी विकिरण की वजह से कम हो रही रोग- प्रतिरोधक क्षमता घटाने और उसे उलटने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि डॉक्टर की सलाह पर हर दिन एक ग्राम निकोटिनामाइड लेने पर इसका प्रति माह खर्च 10 अमेरिकी डॉलर आता है। उन्होंने कहा कि मेलेनोमा की रोकथाम के लिए इसकी क्षमता तथा सुरक्षा को निर्धारित करने के लिए यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण अब जरूरी है। पराबैंगनी विकिरण (यूवीआर) मेलेनोसाइटस में डीएनए को क्षति पहुंचाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि निकोटीनमाइड (विटामिन बी 3) डीएनए की क्षति को ठीक करता है, यूवीआर द्वारा जो सूजन होती है उसे नियंत्रित करता है और यूवी किरणों से रोग-प्रतिरोधक क्षमता में आने वाली गिरावट को कम करता है।

योग के 7 आसन जो आपको बनाए रखेंगे

योग कई तरह से शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। सेहतमंद बनाए रखने के साथ ही योग के जरिए आप अपने सौंदर्य और खूबसूरती को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही सात आसन जो अपके शरीर को जवां बनाए रखने में मदद करेंगे। साथ ही आपके चेहरे के निखार को बढ़ा देंगे। **शेर की तरह चेहरा (सिंहासन) :-** धीरे-धीरे सांस लें और उसे थोड़ी देर तक रोककर रखें। फिर आप अपने जीभ को बाहर निकाले। अपनी आखों को पूरी तरह से जितना हो सकें खोलें। इस अवस्था में बैठे रहे और जितना हो सकें अपनी जीभ को मुंह से बाहर निकालें। यह आपके शरीर में रक्त संचार बढ़ाता है। साथ ही इससे मांसपेशियों का तनाव भी खत्म होता है। सिर्फ 25 मिनट करें ये योग, दिमाग होगा दुरुस्त और

बढ़ जाएगा एनर्जी लेवल। **मछली की तरह चेहरा (मत्सय आसन) :-** इस आसन में शरीर का आकार मछली जैसा बनता है, इसलिए यह मत्स्यासन कहलाता है। इस आसन को करने के लिए आप लंबी सांस लें। इसे थोड़ी देर तक रोक कर रखे। पहले पद्मासन लगाकर बैठ जाएं। फिर पद्मासन की स्थिति में ही सावधानीपूर्वक पीछे की ओर चित होकर लेट जाएं। ध्यान रहे कि लेटते समय दोनों घुटने जमीन से ही सटे रहें। फिर दोनों हाथों की सहायता से शिखास्थान को भूमि पर टिकाएं। उसके बाद बाएं पैर के अंगूठे और दोनों कोहनियों को भूमि से लगाए रखें। एक मिनट से प्रारम्भ करके पांच मिनट तक अभ्यास बढ़ाएं। फिर हाथ खोलकर हाथों की सहायता से सिर को सीधा कर कमर, पीठ को भूमि से लगाएं। फिर हाथों की सहायता से उठकर बैठ जाएँ। आसन करते वक्त श्वास-प्रश्वास की गति सामान्य बनाए रखें। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है। गला साफ रहता है तथा छाती और पेट के रोग दूर होते हैं। रक्ताभिसरण की गति बढ़ती है, जिससे चर्म रोग नहीं होता। दमे के रोगियों को इससे लाभ मिलता है। पेट की चर्बी घटती है। खांसी दूर होती है।

आंखों से कसरत (नेत्रासन) :- गहरी सांस लें और अपनी गर्दन को सीधा रखें। अपनी आखों को बायी तरफ घुमाएं। इस अवस्था में कुछ देर तक रहने की कोशिश करें। कुछ सेकेंड के बाद अपनी आंखों को दायी तरफ घुमाएं। इस प्रक्रियो को दोहराते रहे। आंखों की पुतलियों उस अमुक दिशा में पूरी तरह घूमनी चाहिए। इस बात का ध्यान रखें।

गाल से योग :- मुंह में जितना हो सकें हवा भर लें। फिर उसे कुछ देर तक रोकें। आपका गाल पूरी तरह फूल जाएगा क्योंकि उसमें हवा भरा हुआ है। इस अवस्था में 30 से 60 सेकेंड तक रहें। फिर मुंह में जमा सांसों को नाक के जरिए छोड़ दें। इस प्रक्रियां को तीन से छह बार दोहराएं।

हथेलियों से योग :- अपनी हथेलियों को रगड़कर उन्हें गर्मी प्रदान करें। फिर आंखों को बंद करें और उन्हें अपनी हथिलियों से ढक लें। फिर अपनी नाक के दोनों नथुनों से सांस लें। जितनी देर तक रोक सकते हो रोकें। इससे आपकी आखों को आराम मिलेगा। आप खुद को रिलैक्स महसूस करेंगे। आपकी मांसपेशियों का तनाव दूर होगा। इस बात का ध्यान रखें कि गर्म हथेलियों से चेहरे को पूरी तरह ढकें।

गर्दन से वर्जिश :- आप बिल्कुल सीधी अवस्था में बैठ जाएं। आपकी रीढ़ की हड्डियों बिल्कुल सीधी होनी चाहिए। अपनी हाथों को सीधा कर लें। फिर धीरे से हाथों को मोड़े। फिर उसके बाद उसे सीधा करें। इससे आपको गर्दन के दर्द से छुटकारा मिलेगा। आपको गर्दन की मांसपेशियों में आराम मिलेगा। गर्दन को बिल्कुल सीधी रखें।

होठों से योग :- गहरी सांस लें। अपनी आंखों को बंद कर लें। अपने होठों को जितना संभव हो सकें सख्त करके बंद कर ले। फिर अपने चेहरे को सख्त कर लें। आप इस प्रकार करने की कोशिश करें जैसे आप खुद को रोने से रोकने की कोशिश कर रहे है। फिर अपने चेहरे को ढीला कर ले। जितनी देर रह सकें रहे रहे। सांसों को रोकें रखें। जब जरूरत हो तब सांस लें। इससे आपके पूरे चेहरे का व्यायाम होगा और आराम मिलेगा।

सिर्फ 25 मिनट करें ये योग, दिमाग होगा दुरुस्त और बढ़ जाएगा एनर्जी लेवल

रोज योग करने के यूं तो कई फायदे हैं। योग के कई प्रकार हैं जो अलग-अलग तरीके से शरीर को मजबूती देते हुए व्यक्ति को स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। एक योग का प्रकार ऐसा भी है जो आपके दिमाग को दुरुस्त तो करता ही है, साथ ही शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में भी मदद करता है। यदि आप इस योग को रोजाना 25 मिनट करेंगे तो इसके फायदे आप खुद महसूस कर सकेंगे।

इस तरह काम करता है ये योग: केवल 25 मिनट के लिए माइंडफुलनेस मेडिटेशन के साथ रोजाना हठ योग (आसन, प्राणायाम और ध्यान का एक संयोजन) करने से मस्तिष्क तंत्र के क्रियान्वयन व ऊर्जा स्तर में काफी सुधार हो सकता है। एक शोध में पता चला है कि नियमित तौर पर हठ योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन (ध्यान की एक स्थिति) मस्तिष्क तंत्र के क्रियान्वयन, लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार से जुड़ी आपकी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने की क्षमताओं, स्वाभाविक सोच की प्रक्रिया और क्रिया को बढ़ावा दे सकता है। **योग से सूजन संबंधी बीमारियों का खतरा कम : सर्वे:** शोध में सामने आया कि हठ योग और माइंडफुलनेस मेडिटेशन दोनों ही ध्यान सत्र के बाद कुछ सकारात्मक प्रभाव देते हैं जिससे लोग जो रोजमर्रा की जिंदगी में करना चाहते हैं उस पर अधिक आसानी से ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। **पश्चिमी देशों में मशहूर हठ योग:** हठ योग पश्चिमी देशों में प्रचलित योगों की सबसे आम शैलियों में से एक है, जिसमें ध्यान को शारीरिक आसनों और सांस लेने के व्यायाम से जोड़ा जाता है। माइंडफुलनेस मेडिटेशन में विचारों, भावनाओं और शरीर की उत्तेजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। माइंडफुलनेस मेडिटेशन और हठ योग दोनों ऊर्जा स्तर में सुधार के लिए प्रभावी पाए गए हैं, लेकिन केवल ध्यान करने की तुलना में हठ योग व ध्यान दोनों एक साथ में काफी अधिक शक्तिशाली प्रभाव देते हैं।

महिलाओं की सेहत के लिए संजीवनी है मखाने का सेवन, कई समस्याओं से मिलेगा निजात

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल के चलते अक्सर महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल जाती हैं। जिसके कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। बता दें कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए मखाने का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। मखाने के सेवन से महिलाओं के शरीर को कई फायदे मिलते हैं।

मखाने में कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्निशियम, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, आयरन और जिंक जैसे तत्त्व मौजूद होते हैं। यह सारे पोषक शरीर के लिए फायदेमंद होते है। मखाना का सही मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर

रोगों से बचाव होता है। आइए जानते हैं मखाने के सेवन से महिलाओं को किस तरह से फायदा मिलता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए मखाना का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। अक्सर बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं को हड्डी से जुड़ी कई समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए मखाना खाना लाभकारी होती है। मखाने में मौजूद कैल्शियम की मात्रा हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करती हैं। मखाना के सेवन से महिलाओं में कमजोरी दूर होती है। क्योंकि मखाना में आयरन, विटामिन और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। वहीं इसके सेवन से उनके शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। वहीं थकान और कमजोरी से राहत मिलती है। गर्भवती महिलाओं के लिए मखाना का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि मखाना में मौजूद सभी पोषक तत्व प्रेग्नेंट महिला के लिए बेहद जरूरी होता है। वहीं इसके सेवन से प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। बता दें कि जिन महिलाओं का वजन काफी बढ़ा होता है। उनके लिए मखाना का सेवन काफी फायदेमंद होता है। मखाना खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और भूख कम लगती है। इससे वजन कंट्रोल करने में सहायक होता है।

हारने के बाद भी भारतीय टीम को मिले करोड़ों रुपये विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम को कितनी मिली राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का खिताब ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अपने नाम कर इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी की सभी ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई है। भारत को 209 रनों से मात देने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली दूसरी टीम बन गई है। पहली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की विजेता न्यूजीलैंड थी जिसने भारत को मात दी थी। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में जीत हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम मालामाल हो गई है।

इस जीत को हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम पर पैसों की जमकर बारिश की गई है। इस मकाबले में पैट कमिंस के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए भारतीय टीम को 209 रनों से हराया है। इस मुकाबले में जीत हासिल कर इतिहास रचने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को कुल 13.2 कोरड़ रुपये की इनामी राशि मिली है। वहीं लगातार दूसरी बार भारतीय टीम इस टूर्नामेंट की रनरअप रही है। टीम को फाइनल मुकाबले में हारने के बाद 6.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली है।

बता दें कि इस चैंपियनशिप की लिस्ट में पॉइंट्स टेबल पर दक्षिण अफ्रीका की टीम तीसरे स्थान पर थी, जिसे काफी अच्छी राशि दी गई है। दक्षिण अफ्रीका को 3 करोड़ 72 लाख रुपये मिले है। इसके अलावा चौथे स्थान पर इंग्लैंड की टीम रही जिसे 2 करोड़ 89 लाख रुपये मिले है। पांचवे स्थान पर रहने वाली श्रीलंकाई टीम को इनाम के तौर पर 1.65 करोड़ रुपये दिए गए है।

बता दें कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 में हारने के बाद भारतीय टीम का आईसीसी खिताब जीत कर लाने का इंतजार और अधिक बढ़ गया है। भारतीय टीम ने अंतिम बाद वर्ष 2013 में आईसीसी ट्रॉफी जीती थी जो चैंपियंस ट्रॉफी थी। ये खिताब भारतीय टीम को महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में मिला था। जीत के लिये 444 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने तीन विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन विराट कोहली (49), रविंद्र जडेजा (0) और अजिंक्य रहाणे (43) टीम को जीत तक नहीं ले जा सके। स्काट बोलैंड ने एक ही ओवर में कोहली और जडेजा को आउट करके मैच को एकतरफा कर दिया। इसके साथ ही आईसीसी खिताब के लिये एक दशक से चला आ रहा भारत का इंतजार और लंबा हो गया।

इन स्थानों पर अपने मुकाबले खेलेगी टीम इंडिया,कब होगा पाकिस्तान से मुकाबला

नई दिल्ली। भारत में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के शेड्यूल में लगातार देरी हो रही है। हालांकि, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि इसकी घोषणा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार (11 जून) को संपन्न डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान की जाएगी। लेकिन विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा इस सप्ताह होने की उम्मीद है और इसको लेकर मसौदा तैयार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीम इंडिया नौ स्थानों पर अपने मुकाबले खेलेगी। इसके तहत टीम इंडिया 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

भारत बनाम पाकिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के प्रतिष्ठित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो सकता है। इस स्टेडियम की झमता 1 लाख दर्शकों से ज्यादा की है। इस बीच, रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि फाइनल भी उसी स्थान पर होगा। ड्राफ्ट संस्करण में सेमीफाइनल के लिए स्थान शामिल नहीं थे, लेकिन उनके 15 और 16 नवंबर को खेले जाने की सबसे अधिक संभावना है।

भारत के कार्यक्रमों की बात करें तो धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा जबकि लखनऊ में इंग्लैंड से मुकाबला होगा। भारत 11 नवंबर को बेंगलुरु में क्वालीफायर टीम के खिलाफ खेल के साथ अपने लीग मैच समाप्त करेगा। पाकिस्तान की बात करें तो वह पांच स्थानों पर अपने मैच खेलेगा। वे हैदराबाद में क्रमशः छह और 12 अक्टूबर को दो क्वालीफाइंग टीमों के खिलाफ मैचों के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। द मेन इन ग्रीन का अभियान 12 नवंबर को इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में समाप्त होगा। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है क्योंकि विदेशों में प्रशंसक यात्रा की व्यवस्था करने के लिए बेताब हैं, यहां तक ??कि टिकटों पर कोई अपडेट नहीं किया गया है।

भारत के मुकाबलेः भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 8 अक्टूबर, चेन्नई भारत बनाम अफगानिस्तान, 11 अक्टूबर, दिल्ली भारत बनाम पाक, 15 अक्टूबर, अहमदाबाद भारत बनाम बंग्लादेश, 19 अक्टूबर, पुणे भारत बनाम न्यूजीलैंड, 22 अक्टूबर, धर्मशाला भारत बनाम इंग्लैंड, 29 अक्टूबर, लखनऊ भारत बनाम क्वालीफायर, 2 नवंबर, मुंबई भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, 5 नवंबर, कोलकाता भारत बनाम क्वालीफायर, 11 नवंबर, बेंगलुरु

धीमी ओवरगति के लिये भारतीय खिलाड़ियों पर मैच फीस का सौ फीसदी जुर्माना

दुबई। भारतीय खिलाड़ियों पर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान धीमी ओवरगति के लिये पूरी मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है जबकि विवादित फैसले पर उन्हें आउट देने के लिये अंपायर के फैसले की आलोचना करने वाले शुभमन गिल पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगा है। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर भी धीमी ओवरगति के लिये मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आस्ट्रेलिया ने यह मैच 209 रन से जीता। आईसीसी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा ,'' रविवार को आखिरी दिन का खेल खत्म होने के बाद ही इसकी पुष्टि हो गई कि धीमी ओवरगति के लिये भारत पूरी मैच फीस और आस्ट्रेलिया 80 प्रतिशत मैच फीस गंवायेगा।'

इसमें आगे कहा गया ,'' आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की आचार संहिता की धारा 2.22 के तहत खिलाड़ियों पर निर्धारित समय के भीतर ओवर पूरे नहीं करने पर प्रति ओवर 20 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है।'' भारतीय टीम निर्धारित समय के भीतर पांच ओवर पीछे थी जबकि आस्ट्रेलिया चार ओवर पीछे रह गया था। अंतिम एकादश में शामिल भारतीय खिलाड़ियों को 15 लाख रूपये प्रति टेस्ट ओर रिजर्व खिलाड़ियों को साढे सात लाख रूपये मिलते हैं। गिल को धारा 2.7 के उल्लंघन का दोषी पाया गया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी घटना की सार्वजनिक निंदा या अनुचित बयान से संबंधित है। भारत की दूसरी पारी के दौरान टीवी अंपायर रिचर्ड केटलबरो ने गिल को आउट करार दिया जिनका कैच लपकते समय कैमरन ग्रीन का हाथ जमीन को छू गया था। उस दिन का खेल खत्म होने के बाद गिल ने टीवी स्क्रीन का रिप्ले शॉट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

इटली को 1-0 से हराकर उरूग्वे ने अंडर 20 विश्व कप जीता

ला प्लाटा। उरूग्वे ने इटली को 1 . 0 से हराकर पहली बार अंडर 20 विश्व कप फुटबॉल खिताब जीत लिया। इसके साथ ही टूर्नामेंट में पिछली चार बार से यूरोपीय टीमों की जीत का सिलसिला भी टूट गया। लूसियानो रौद्रिगेज ने 86वें मिनट में हेडर पर विजयी गोल किया। डिएगो माराडोना स्टेडियम पर मौजूदा 40000 से अधिक दर्शकों में अधिकांश उरूग्वे के समर्थक थे। फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो भी मैच देखने के लिये आये थे। टूर्नामेंट से पहले उरूग्वे और इटली दोनों खिताब के दावेदारों में से नहीं थे लेकिन ब्राजील, अर्जेंटीना और इंग्लैंड में क्लबों ने खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के लिये नहीं छोड़ा। क्लबों के लिये यह अनिवार्य नहीं है कि वे अंतरराष्ट्रीय जूनियर टूर्नामेंटों के लिये खिलाड़ियों को छोड़े। उरूग्वे 1997 और 2013 में फाइनल हार चुका है। दक्षिण अमेरिका से आखिरी बार 2011 में ब्राजील ने खिताब जीता था। इससे पहले इस्राइल ने दक्षिण कोरिया को 3 . 1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

दिव्या देशमुख शतरंज चैंपियनशिप में बनी चैंपियन, जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। भारत की दिव्या देशमुख रविवार को यहां एशियाई महाद्वीपीय शतरंज चैम्पियनशिप की महिला शास्त्रीय स्पर्धा में चैंपियन बनीं है। इस मुकाबले में उन्होंने मैरी एन गोम्स को मात दी है। मैरी गोम्स मुकाबले की उपविजेता रही। 17 वर्षीय दिव्या ने कजाकिस्तान की ज़ेनिया बालाबायेवा के साथ नौवें और अंतिम राउंड को ड्रा किया। मुकाबला ड्रॉ होने के साथ ही दिव्या देशमुख 7.5 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं और चैंपियनशिप विजेता बन गई।

इस टूर्नामेंट की विजेता बनने के साथ ही दिव्या देशमुख को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। उपविजेता मैरी को सिल्वर मेडल मिला है। बता दें कि दिव्या देशमुख ने वर्ष की शुरुआत में ही लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय महिला शतरंज का ताज अपने पास ही बरकरार रखा है।

इस मुकाबले में मैरी ने भी फाइनल राउंड में ड्रा खेला। उन्हें दूसरे राउंड के बाद 6.5 अंक मिले और वो दूसरे स्थान पर रहीं। दिव्या ने डब्ल्यूआईएम मेरुर्ट कमलिडेनोवा (कजाकिस्तान) को अंतिम दौर में आसानी से हरा दिया था। भारतीय खिलाड़ी साक्षी चितलंगे 5.5 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में पीवी नंदीधा (5 अंक) और आशना मखीजा (5) अंक मिले, जिसके साथ दोनों ही खिलाड़ी क्रमशः 13वें और 14वें स्थान पर रहीं।

ओपन इवेंट में, जीएम अभिमन्यु पुराणिक, जो पदक की दौड़ में थे, अंतिम दौर में जा रहे थे। केवल ैं ूं ब्लिूत्बन के खिलाफ ड्रॉ करने में कामयाब रहे। वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। शीर्ष वरीय के रूप में शुरुआत करने वाले भारतीय जीएम अर्जुन एरिगैसी 6.5 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे और एसपी सेथुरमन सातवें स्थान पर रहे। उज्बेकिस्तान के जीएम शमसीद्दीन वोखिदोव ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

बता दें कि 48वीं राष्ट्रीय महिल शतरंज चैंपियनशिप में 17 वर्षीय दिव्या विजेता रही थी। इस वर्ष लगातार दूसरे वर्ष भी वो 64 वर्ग में शीर्ष पर है। बीते वर्ष भुवनेश्वर में दिव्या ने सीनियर राष्ट्रीय खिताब जीता था।

भारत और पाकिस्तान का सामना 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में

नयी दिल्ली। भारतीय टीम वनडे विश्व कप में अपने अभियान का आगाज आठ अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में करेगी जबकि एक सप्ताह बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच अहमदाबाद में होगा। बीसीसीआई के कार्यक्रम के ड्राफ्ट में यह जानकारी दी गई। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने सोमवार को लिखा ,'' बीसीसीआई ने कार्यक्रम का ड्राफ्ट आईसीसी को भेजा है जिसने प्रतिभागी देशों के पास फीडबैक के लिये इसे भेज दिया है। अंतिम कार्यक्रम की घोषणा अगले सप्ताह की जायेगी।'' शुरूआती ड्राफ्ट के अनुसार टूर्नामेंट पांच अक्टूबर को शुरू होगा जिसमें मौजूदा चैम्पियन इंग्लैंड का सामना पिछले उपविजेता न्यूजीलैंड से अहमदाबाद में होगा। फाइनल भी 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जायेगा।

सेमीफाइनल 15 और 16 नवंबर को होंगे जिनका वेन्यू अभी तय नहीं है। मेजबान भारत अपने लीग मैच नौ शहरों में खेलेगा जिनमें कोलकाता, मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरू शामिल है। पाकिस्तान से मुकाबला 15 अक्टूबर को होगा। वहीं पाकिस्तान के लीग मैच पांच शहरो में होंगे। रिपोर्ट के अनुसार ,'' पाकिस्तान छह और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में क्वालीफायर दौर से आई दो टीमों से खेलेगा। इसके बाद बेंगलुरू में आस्ट्रेलिया (20 अक्टूबर), चेन्नई में अफगानिस्तान (23 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (27 अक्टूबर) , बांग्लादेश से कोलकाता में (31 अक्टूबर), न्यूजीलैंड से बेंगलूरू में (पांच नवंबर) और इंग्लैंड से कोलकाता में (12 नवंबर) खेलेगा।

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का मैच 29 अक्टूबर को धर्मशाला में और इंग्लैंड से चार नवंबर को अहमदाबाद में होगा। टूर्नामेंट में दस टीमें भाग ले रही हैं जिनमें से आठ तय है और दो क्वालीफायर से आयेंगी। टूर्नामेंट में कुछ ही महीने रह गए हैं और अभी तक कार्यक्रम का ऐलान नहीं हुआ है जबकि पिछले दो विश्व कप में कार्यक्रम एक साल पहले ही तय हो गया था। भारत का संभावित कार्यक्रम : बनाम आस्ट्रेलिया, आठ अक्टूबर , चेन्नई बनाम अफगानिस्तान , 11 अक्टूबर , दिल्ली बनाम पाकिस्तान , 15 अक्टूबर, अहमदाबाद बनाम बांग्लादेश, 19 अक्टूबर, पुणे बनाम न्यूजीलैंड, 22 अक्टूबर , धर्मशाला बनाम इंग्लैंड, 29 अक्टूबर, लखनऊ बनाम क्वालीफायर, दो नवंबर , मुंबई बनाम दक्षिण अफ्रीका, पांच नवंबर, कोलकाता बनाम क्वालीफायर, 11 नवंबर, बेंगलुरू।

दिव्या और मैरी के नाम रहा एशियाई महिला शतरंज का स्वर्ण और रजत पदक

नई दिल्ली। भारत की दिव्या देशमुख एशियाई महाद्वीपीय शतरंज चैंपियनशिप की महिला क्लासिकल स्पर्धा में रविवार को यहां चैंपियन बनीं, तो वहीं मैरी एन गोम्स उपविजेता रहीं। सत्रह साल की दिव्या ने कजाकिस्तान की जेनिया बालाबायेवा के साथ नौवें और अंतिम दौर के मुकाबले को ड्रा खेला और 7.5 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं। मैरी ने भी आखिरी दौर में ड्रा खेला और 6.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारतीय खिलाड़ी साक्षी चितलंगे 5.5 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में पीवी नंदीधा (पांच अंक) और आशना मखीजा (पांच अंक) क्रमशः 13वें और 14वें स्थान पर रहीं। स्पर्धा के ओपन वर्ग में ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु पुराणिक अंतिम दौर से पहले पदक की दौड़ में थे। वह हालांकि अपने अंतिम दौर के मुकाबले को जीतने में सफल नहीं रही। अजमत उतेगलियायेव के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे।

इंडोनेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे प्रणय

जकार्ता। फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले प्रणय टूर्नामेंट में आगे तक जा सकते हैं जिसमें विश्व बैडमिंटन के चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। दुनिया के नंबर आठ खिलाड़ी प्रणय का सामना पहले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से होगा जिसके बाद दूसरे दौर में चीन के शि युकी से टक्कर हो सकती है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और 2021 विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं लेकिन यहां अच्छी शुरूआत की कोशिश करेंगे। सिंधू पिछले दो टूर्नामेंटों में पहले दौर में बाहर हो गई जबकि श्रीकांत मलेशिया और स्पेन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। सिंधू का सामना पहले दौर में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मरिस्का तुंगजुंग से होगा जबकि श्रीकांत चीन के लु गुआंग जू से खेलेंगे। थाईलैंड ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे लक्ष्य सेन का सामना पहले दौर में दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी चीन के ली जि जिया से होगा। राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन और दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के मार्कस फर्नाल्डी गिडोन और केवन संजय सुकामुजो से होगा। सात्विक और चिराग ने इस सत्र मे स्विस ओपन जीता है लेकिन इस इंडोनेशियाई जोड़ी को पिछले 11 मुकाबलों में हरा नहीं सके हैं। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिता का सामना मलेशिया के ओंग यू सिन और तियो इ यि से होगा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना नेहवाल पहले दौर में चीन की वांग झि यि से खेलेगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की रिन इवानागा और की नकानिशि से होगा। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर छह स्तरों पर खेला जाता है जिनमें विश्व टूर फाइनल्स, चार सुपर 1000, छह सुपर 750, सात सुपर 500 और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट है।

भारत ने दक्षिण कोरिया को हराकर पहला महिला जूनियर एशिया कप हॉकी खिताब जीता

काकामिगाहारा। भारत ने रविवार को यहां चार बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार महिला जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब जीता। भारत के लिए अनु और नीलम ने गोल दागे जबकि कोरिया के लिए एकमात्र गोल पार्क सियो यिओन ने किया। पहला क्वार्टर गोल रहित बराबर रहने के बाद भारत ने 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनु के गोल की बदौलत बढ़त बनाई। जापान के खिलाफ सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अनु ने गोलकीपर के बाईं ओर से गोल दागते हुए भारत को 1-0 से आगे किया। दक्षिण कोरिया ने हालांकि तीन मिनट बाद पार्क सियो यिओन के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 कर दिया। नीलम ने 41वें मिनट में दक्षिण कोरिया की गोलकीपर के

दाईं ओर से गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। भारतीय टीम ने इसके बाद अंतिम क्वार्टर में अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। दक्षिण कोरिया को पेनल्टी कॉर्नर के रूप में गोल करने के कई मौके मिले लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। इससे पहले महिला जूनियर एशिया कप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2012 में था जब टीम बैंकॉक में पहली बार फाइनल में पहुंची थी लेकिन चीन से 2-5 से हार गई। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई भारतीय कप्तान प्रीति ने कहा कि राउंड रोबिन चरण में कोरिया के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने इस मुकाबले के लिए रणनीति बनाई थी।

उन्होंने कहा, ''हमें अच्छी तरह से जानकारी थी कि कोरिया को हराने के लिए हमें किन विशिष्ट क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है।'' प्रीति ने कहा, ''फाइनल को लेकर हम नर्वस थे। हालांकि हमें पता था कि कुछ विशेष हासिल करने के लिए हमें टीम के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। और हमने ऐसा ही किया।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज के दिन किसी भी प्रकार से कोई पारिवारिक या सामाजिक वाद-विवाद में न फसें। परिवार में मतभेद खत्म करने का प्रयास करें। स्वास्थ्य में सुधार दिखेगा। व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। कोई बड़ा सौदा या लेन-देन करने से बचें।

वृषभ राशिः आज आपको कार्य क्षेत्र में नये अवसर प्राप्त होंगे। व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में नये संबंध बनेगे। अपनो से सहयोग मिलेगा। धार्मिक आयोजन में शामिल होने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। किसी अपने के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहे।

मिथुन राशिः आज आप लम्बी यात्रा आदि पर जा सकते है। स्वास्थ्य में उतार-चढाव बना रहेगा, यात्रा आदि में सावधानी बरतें, व्यापार में आज कोई नया काम शुरू न करें। कोई बड़ी रकम उधार किसी को न दें। परिवार में अपने से संबंध मधुर रखें।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा, स्वस्थ महसूस करेंगे। व्यवसाय में कोई विशेष व्यक्ति के मिलने से लाभ होगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। वाद-विवाद से आज आप दूर रहें वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सिंह राशिः आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। डॉक्टर की सलाह लेना आपके लिए अच्छा रहेगा। वाहन आदि चलाते समय सावधानी बरतें। काम के क्षेत्र में किसी के साथ बड़ा लेन-देन आज व करे। किसी पुराने विवाद के चलते मानसिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या राशिःआज आप किसी अपने के स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगे। पत्नी से मतभेद हो सकते हैं। आज कोई नया काम शुरू कर सकते हैं लेकिन साझेदारी सोच-विचार कर ही करें। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी निर्णय ले सकते हैं। वाद-विवाद से दूर रहे, वाणी पर संयम रखें।

तुला राशिः आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आप नया वाहन या मकान आदि खरीद सकते हैं। व्यवसाय में आपका रूका हुआ पुराना काम आज पूरा होगा।

वृश्चिक राशिःआज आप वाहन आदि संभालकर चलाये। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस होगी। किसी परिचित का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद उत्पन्न होंगे। व्यापार में मंदी देखने को मिलेगी। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर मानसिक तनाव बना रहेगा। आज कोई बड़ा काम हाथ से निकल सकता है।

धनु राशिः आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। न्यायालय पक्ष में आज आपकी विजय होगी। नौकरी वर्ग वालो को पदोन्नति मिल सकती है। परिवार में शादी विवाह के योग बनेंगे। पत्नी से संबंध मधुर होंगे।

मकर राशिः आज आप परिवार के साथ किसी लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। किसी विशेष व्यक्ति से मिलना हो सकता है। जिससे रुके हुए काम बन सकते हैं। नौकरी वालों को पदोन्नति मिल सकती है। अधिकारी वर्ग से संबंध अच्छे रहेंगे।

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा, किसी नए काम में पैसों को इन्वेस्ट कर सकते हैं। व्यवसाय में नये अवसर प्राप्त होंगे। कोई नया वाहन, मकान आदि खरीद सकते हैं। परिवार में शादी या मांगलिक कार्यक्रम होंगे। किसी यात्रा आदि पर जा सकते है। मान-सम्मान बढ़ेगा साथ ही आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

मीन राशिः आज वाहन आदि चलाने में सतर्कता बरतें। किसी कार्य विशेष के कारण संबंधियों से वाद-विवाद हो सकता है। व्यापार में नया निवेश या नई साझेदारी सोच समझकर ही करें। कर्मचारी वर्ग के अपने अधिकारियों से संबंध बिगड़ सकते है। परिवार में किसी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है।

सम्पादकीय

आखिर टूट गया गतिरोध

अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन और स्पीकर केविन मैकार्थी के बीच बनी सहमति के अनुरूप पहले निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने और फिर ऊपरी सदन (सीनेट) ने कर्ज सीमा समाप्त करने का प्रस्ताव पारित कर दिया, जिससे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर मंडरा रहा डिफॉल्टिंग का संकट टल गया है। कर्ज सीमा समाप्त होने को लेकर विशेषज्ञों ने सोमवार 5 जून की जो डेडलाइन बताई थी, उसमें अभी भी दो दिन का वक्त है। लिहाजा, वैश्विक वित्तीय बाजार चैन की सांस ले सकता है। हालांकि न तो अमेरिका में विधायिका और कार्यपालिका के बीच इस तरह की तनातनी कोई नई बात है और न ही इसका आखिरी पलों में आकर हल होना। लेकिन ऐसा तभी होता है जब विधायिका में विपक्ष बहुमत में होता है और वह ऐसे मौकों का इस्तेमाल करते हुए सरकार को दबाव में लाकर अपनी कुछ बातें मनवाना चाहता है। वरना अक्सर यह सीमा बिना किसी शोर-शराबे और हील-हुज्जत के बढ़ाई जाती रही है। 1960 के बाद से अब तक यह 78 बार एडजस्ट की जा चुकी है। मगर विवाद के मौकों पर कड़ी सौदेबाजी के भी उदाहरण हैं। इस बार भी दोनों पक्षों के बीच तगड़ी सौदेबाजी हुई और जैसा कि राष्ट्रपति बाइडन ने कहा भी कि ऐसे मामलों में किसी भी पक्ष को सौ फीसदी हासिल नहीं होता। दोनों पक्ष थोड़ा-थोड़ा झुके तभी बीच की यह राह निकली, जिसे लेकर सांसदों का एक अति दक्षिणपंथी खेमा नाराज भी रहा। लेकिन उसके विरोध के बावजूद बिल पास होने में कोई बाधा नहीं आई। पिछले कम से कम एक पखवाड़े से यह मुद्दा वैश्विक स्तर पर चर्चा में था और इसी वजह से पिछले महीने राष्ट्रपति बाइडन को ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित क्वॉड देशों की बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम भी टालना पड़ा। हालांकि सभी विशेषज्ञ इस बात पर करीब-करीब एकमत थे कि गतिरोध दूर होना ही है, लेकिन फिर भी इसमें हो रही देरी पर अगर धड़कनें तेज होती जा रही थीं तो उसकी वजह यह थी कि इस अनिश्चितता के प्रभाव सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहने वाले थे। भारत जैसे तमाम देश इसके प्रभाव की जद में आ रहे थे। ग्लोबल फाइनैंशल सिस्टम में अमेरिकी कर्ज बाजार और करंसी की अहम भूमिका को ध्यान में रखें तो यह स्वाभाविक था। आज दुनिया के विदेशी मुद्रा भंडार का 58 फीसदी डॉलर में है। दूसरे नंबर पर यूरो (20 फीसदी) आता है। ये रिजर्व अमेरिकी सिक्यॉरिटीज में लगाए जाते हैं, जिनमें से बहुत सारे सेफ असेट का मानक तय करते हैं। अमेरिकी डेट सिस्टम में विभिन्न देशों के निवेश का स्तर देखते हुए इस तरह की अनिश्चितता वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा बन जाती है। हालांकि फिलहाल इसका कोई इलाज भी नहीं है। दूसरे नंबर की इकॉनमी चीन है जो ट्रस्ट के मामले में बहुत पीछे है। यानी अभी दुनिया को समय-समय पर आने वाली ऐसी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना होगा।

मात्र कर्नाटक की जीत से ही राहुल गांधी के स्वर में अहंकार नजर आने लगा है

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत में मोदी-विरोध में कुछ भी बोलें, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे विदेश की धरती पर मोदी विरोध के चलते जिस तरह के गलत बयान देते रहे हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान नेता बनेंगे? विदेश में कांग्रेस की यात्राओं के माध्यम से वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विश्वस्तरीय नेता की छवि को धुंधला कर स्वयं को उस स्तर का नेता साबित करने में जुटे हैं। जबकि मोदी की छवि एवं हस्ती, प्रसिद्धि एवं सर्वस्वीकार्यता विश्व के किसी भी नेता की तुलना में ज्यादा है। अन्य देशों की बात दूर, वे अभी भारत में भी जिम्मेदार नेता नहीं बन पाये हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। एक प्रांत में क्या जीत हासिल कर ली, अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं।

इन दिनों अपनी अमेरिका की यात्रा में राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को आड़े हाथ लिया। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उन्होंने ये भी कहा कि देश में आज मुसलमान ही नहीं, सभी अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी डरा हुआ महसूस कर रहे हैं। इस तरह के बयानों से मोदी एवं आरएसएस से ज्यादा भारत की बदनामी हो रही है, लगता है राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर आए हैं। ये पहली बार नहीं है। लंदन की यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी अपने बयानों से इसी तरह घिर गए थे। अमेरिका में उन्होंने केरल में अपने सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि उसमें कुछ भी गैर सेक्युलर नहीं है। इसका मतलब है कि उनकी नजर में वह पक्के तौर पर पंथनिरपेक्ष हैं। उनका यह बयान जीती मक्खी निगलने जैसा और पंथनिरपेक्षता का उपहास है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक चरित्र पर इस तरह की बातों से पर्दा पड़ने वाला नहीं है। वह जिन्ना की मुस्लिम लीग से अलग नहीं है, क्योंकि सच यही है कि विभाजन के बाद उसका गठन जिन्ना के समर्थकों ने ही किया था। आखिर राहुल गांधी किस मुंह से ऐसे सांप्रदायिक और विभाजनकारी अतीत वाले दल को पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण पत्र दे रहे हैं? वे देश की एकता एवं अखण्डता को साम्प्रदायिक संकीर्णता से खण्डित करने की कोशिश करते हुए कब क्या कर जाएं, कहां नहीं जा सकता। हैरानी नहीं कि कल को वह बंगाल के घोर सांप्रदायिक और नफरती इंडियन सेक्युलर फ्रंट को भी पंथनिरपेक्ष होने का प्रमाण दे दें, क्योंकि कांग्रेस ने पिछला विधानसभा चुनाव उसके साथ मिलकर ही लड़ा था। कांग्रेस एवं उनके नेता राहुल का स्वभाव ऐसा हो गया है कि वे तिल को ताड़ एवं राई को पहाड़ बनाकर प्रस्तुति देते हैं, यह उनके दृष्टिकोण का दोष एवं अहंकार है। 'डूंगर बलती दीखे, घर बलतो कोनीं दीखे' इस कहावत के अनुसार अपनी हरकतों एवं रसातल में जाते जन-बल से आंख मूंदकर दूसरे में दोष देखना कांग्रेस का सहज स्वभाव हो गया है। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति आजादी मिल जाने एवं देश के दो टुकड़े हो जाने के बावजूद

कायम रही, इसीलिये बंटवारे के बाद कांग्रेस के नेताओं के सांप्रदायिक सोच से नाराज होकर सरदार पटेल ने यह कहकर उन्हें चेताया था कि दो घोड़ों की सवारी मत कीजिए। एक घोड़ा चुन लीजिए और जो पाकिस्तान जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं। सरदार पटेल ने यह कहने में भी संकोच नहीं किया था कि लीग के जो समर्थक महात्मा गांधी को अपना दुश्मन नंबर एक बताते थे, वे अब उन्हें अपना दोस्त कह रहे हैं। भले ही संकीर्ण वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते आज की कांग्रेस यह सब याद न रखना चाहती हो, लेकिन देश की जनता यह सब नहीं भूल सकती। देश की जनता मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क का महसूस कर रही है। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल विदेशों में भारत की बढ़ती साख एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे हैं जबकि मोदी ने न केवल अपनी सरकार के दौरान भारत में आए बदलावों की सकारात्मक तस्वीरें विदेशी मंच पर पेश कीं, बल्कि दुनिया की समस्याओं को लेकर भी अपनी समाधानपरक सोच रखी। इसलिये उन्हें विश्व नेता के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। किन्हीं एक दो प्रांतों में हार की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी, उनके रणनीतिकारों और विदेशों में कांग्रेस के संचालकों का नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन विदेश में देश की खराब छवि पेश कर और नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है!! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं!!! राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने बातों-बातों में यह भी कह दिया कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना और सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन, प्रश्न यह है कि क्या विदेशी धरती पर वह मात्र भारत के विपक्षी दल के नेता होते हैं? क्या उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वह भारत का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? यह समस्या मात्र राहुल गांधी की नहीं है। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन उस लकीर को नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। ऐसे बयानों से किस पर और कैसे प्रभाव पड़ता है। सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना भी आवश्यक है। उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। यही नहीं, इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हों, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हों, देश की तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हों, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके? बनें भी तो कैसे? शरीर कितना ही सुन्दर क्यों न हो, मक्खियों को तो घाव ही अच्छा लगेगा। इसी प्रकार राहुल एवं कांग्रेस को तो अच्छाइयों में भी बुराई का ही दर्शन होगा।

भारत जैसे सशक्त लोकतंत्र के लिये विवेकशील और जनता के मानस को समझने वाला विपक्ष चाहिए, यह लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। लेकिन कांग्रेस एवं राहुल विपक्ष की भूमिका में खरा नहीं उतरे हैं, जबकि लोकतंत्र का तकाजा है कि जो विपक्ष में अपनी भूमिका का सशक्त निर्वाह करता है वही सत्ता पर काबिज होने के काबिल है। यह बात राहुल को समझनी होगी। किंतु यदि विष-बुझे बयानों से एक खेमे की वाहवाही लूटने का प्रयत्न किया जाएगा, तो राहुल जनता से और अधिक कटते जाएंगे। राहुल को यह समझना होगा कि इस तरह भारत के जनमानस पर पकड़ नहीं बना पाएंगे। विदेश में चंद लोगों के सामने कुछ कह देने और बदले में चंद तालियां पा लेने से देश का समर्थन नहीं मिलेगा। इस बात को राहुल जितनी जल्दी समझ लें, उतना बेहतर। जनता को गुमराह करने के लिये और उनका मनोबल कमजोर एवं संकीर्ण करने के लिये कांग्रेस उजालों पर कालिख पोत रही है, इससे उसी के हाथ काले होने की संभावना है। इसकी बजाय वह अपनी शक्ति को स्वस्थ एवं साफ-सुथरी राजनीति करने में लगाये तो अपने राजनीतिक धरातल को मजबूत कर पाएगी।

एरडोगन ने पहले संसदीय प्रणाली खत्म की, फिर देश का नाम बदला

पश्चिम एशियाई देश तुर्किये के राष्ट्रपति पद के चुनाव में कोई विजेता नहीं बन पाया है क्योंकि जनता ने किसी को भी बहुमत नहीं दिया। हम आपको बता दें कि निवर्तमान राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के खिलाफ छह विपक्षी दलों की ओर से कमाल केलिकदारोग्लू को संयुक्त उम्मीदवार बनाया गया था और चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष ने एर्दोगन सरकार की नाकामियों को बखूबी जनता के समक्ष रखा था। चुनाव प्रचार के दौरान ही दिख रहा था कि तुर्किये में काँटे की टक्कर है लेकिन अब जब कोई भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल नहीं कर पाया है, ऐसे में दोबारा चुनाव कराये जाने के आसार हैं। हालांकि शुरुआती रिपोर्टों में बताया गया था कि एर्दोगन बढ़त बनाये हुए हैं लेकिन मतों की गिनती के बाद कोई भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत मत हासिल नहीं कर पाया। बताया जा रहा है कि एर्दोगन को 49.24 प्रतिशत और कमाल केलिकदारोग्लू को 45.6 प्रतिशत मत मिले। हम आपको बता दें कि तुर्किये के नियमों के मुताबिक राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल करने होते हैं। अब बताया जा रहा है कि 28 मई को दोबारा से चुनाव कराये जायेंगे जिसके लिए दोनों उम्मीदवारों ने फिर से कमर कस ली है।

जहां तक तुर्किये के राष्ट्रपति

पद के उम्मीदवारों की बात है तो यह तो सभी जानते हैं कि निवर्तमान राष्ट्रपति एर्दोगन भारत के कट्टर विरोधी माने जाते हैं तो वहीं दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंद्वी कमाल केलिकदारोग्लू को तुर्किये के गांधी के रूप में लोकप्रियता हासिल है। तुर्किये में उन्हें कमाल गांधी भी कहा जाता है। तुर्किये की मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मतगणना के शुरुआती रुझानों में एर्दोगन आगे चल रहे थे लेकिन बाद में कमाल को मिले मतों की संख्या बढ़ने से दोनों प्रतिद्वंद्वियों की बीच अंतर कम होता चला गया। बताया जा रहा है कि एर्दोगन देशवासियों से फिर अपील करेंगे कि वह 28 मई को होने वाले चुनावों में उन्हें मत दें। हालांकि एर्दोगन को शुरू से ही अपनी जीत का भरोसा था लेकिन उन्हें 50 प्रतिशत से कम मत मिलना दर्शाता है कि वह अलोकप्रिय हुए हैं। दरअसल, हाल के विनाशकारी भूकंप के बाद राहत कार्यों को सही से नहीं चला पाने, लाखों लोगों के अपने पक्के घरों से हाथ धोने तथा तेजी से बढ़ती महंगाई के कारण भी एर्दोगन की लोकप्रियता कम हुई है। इसके अलावा बढ़ती बेरोजगारी और बड़ी संख्या में लोगों का विस्थापित होना भी सरकार से नाराजगी के बड़े कारण के रूप में देखे गये। साथ ही एर्दोगन को तुर्किये में शासन करते हुए लंबा समय भी हो गया है इसलिए भी जनता अब नया नेतृत्व चाहती है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि लगभग एक साल पहले एर्दोगन ने अपने देश का नाम तुर्की से बदल कर तुर्किये कर दिया था। एर्दोगन ने देश का नाम इसलिए बदला था क्योंकि उन्हें लगता था कि तुर्की नाम इतिहास की कुछ घटनाओं के चलते असफलता और विफलता का प्रतीक है लेकिन अब जब राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम को देखें तो प्रतीत होता है कि उनका यह टोटका काम नहीं आया। तुर्की नाम जब तक था तब तक यह देश सुविधा संपन्न था लेकिन तुर्किये नाम होते ही पहले विनाशकारी भूकंप ने देश को बर्बाद किया और अब चुनाव में जनता ने एर्दोगन की कुर्सी लगभग छीन ही ली है। देखा जाये तो एर्दोगन ने सिर्फ अपने देश से तुर्की नाम ही नहीं छीना बल्कि देश से वास्तविक लोकतंत्र भी छीन लिया था। हम आपको याद दिला दें कि एर्दोगन ने तुर्की के संविधान में संशोधन कर वहां संसदीय प्रणाली की जगह पर अध्यक्षीय प्रणाली लागू कर दी थी जिससे देश में असल लोकतंत्र होने पर ही सवाल खड़े हो गये थे।

'लैब टू लैंड' नारे को साकार कर रहे योगी सरकार के द मिलियन फार्मर्स स्कूल

हर क्षेत्र में बेहतरी के बाबत सतत जागरूकता सबसे जरूरी है। इसी जागरूकता से पता चलता है कि किसी क्षेत्र में देश-दुनिया में क्या चल रहा है। और, तुलनात्मक रूप से हम कहां हैं? खेतीबाड़ी की बेहतरी और किसानों की खुशहाली के लिए भी जरूरी है कि इससे जुड़े संस्थानों में क्या अद्यतन हो रहा है, यह किसान जानें। इन संस्थानों में जो शोध कार्य हो रहे हैं, वह प्रगतिशील किसानों के जरिये आम किसानों तक कैसे पहुंचे। इस बाबत बहुत पहले 'लैब टू लैंड' का नारा दिया गया था। यह नारा आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इस नारे को पहली बार योगी सरकार ने 'द मिलियन फार्मर्स स्कूल' के जरिये साकार किया। इस सिलसिले को जारी रखते हुए सरकार

ने खरीफ के मौजूदा एवं रबी के आगामी सीजन में प्रदेश के 17 हजार ग्राम पंचायतों में किसान पाठशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस पर सरकार करीब 21 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इस दौरान सामयिक फसलों के लिए खेत की तैयारी से लेकर उन्नत प्रजाति के बीज, बीज शोधन, बोआई का समय, खाद-पानी और समय-समय पर फसल संरक्षा के उपायों की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। यही नहीं अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के मद्देनजर इस बार मोटे अनाजों की खेती पर भी जोर होगा। अलग-अलग फसलों का जिलेवार प्रति हेक्टेयर, प्रति कुंतल अधिकतम एवं न्यूनतम उत्पादन का पता लगाने के बाद इन किसान पाठशालाओं के जरिये न्यूनतम उत्पादन वाले जिलों में हरसंभव कोशिश करके उत्पादन बढ़ाने पर भी फोकस करेगी। उल्लेखनीय है कि 'लैब टू लैंड' नारे को साकार करने के लिए पहले कार्यकाल 2017-2018 में रबी के सीजन में योगी सरकार ने 'द मिलियन फार्मर्स स्कूल' (किसान पाठशाला) के नाम से एक अभिनव प्रयोग किया था। हर रबी एवं खरीफ के सीजन में न्याय पंचायत स्तर पर अलग-अलग विषय के विशेषज्ञ किसानों को सीजनल फसल की उन्नत प्रजातियों, खेत की तैयारी, बोआई का सही समय एवं तरीका और समय-समय पर फसल संरक्षण के उपायों की जानकारी देते हैं।

बच्चों में आखिर क्यों बढ़ रही है स्कूल को बीच में ही छोड़ने की प्रवृत्ति?

भारत में स्कूली शिक्षा में छात्र-छात्रों के ड्रॉपआउट्स की संख्या बढ़ना न केवल शिक्षा-व्यवस्था पर बल्कि स्कूल-प्रबंधकों पर एक बड़ा सवाल बनता जा रहा है। स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या आठ करोड़ से भी ज्यादा है, जो यह बताने के पर्याप्त है कि स्थिति काफी गंभीर है। अब एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से सन् 2022 की बोर्ड परीक्षाओं के विश्लेषण में बताया गया है कि दसवीं और बारहवीं के स्तर पर देश में लाखों बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं। विश्लेषण के मुताबिक, पिछले साल पैंतीस लाख विद्यार्थी दसवीं के बाद ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ने नहीं गए। इनमें से साढ़े सत्ताइस लाख सफल नहीं हुए और साढ़े सात लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा नहीं दी। इसी तरह, पिछले साल बारहवीं के बाद 2.34 लाख विद्यार्थियों ने बीच में पढ़ाई छोड़ दी। इनमें से सतहत्तर फीसद ग्यारह राज्यों से थे। यानी करीब अट्ठावन लाख विद्यार्थी दसवीं और बारहवीं में पढ़ाई छोड़ देते हैं तो यह किसी भी सरकार के लिए बेहद चिंता की बात होनी चाहिए और यह समग्र शिक्षा व्यवस्था से लेकर सरकारी कल्याण कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर अमल पर सवालिया निशान है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था की कामयाबी इसमें है कि शुरुआती से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा हासिल करने के मामले में एक निरंतरता हो। अगर किसी वजह से आगे की पढ़ाई करने में किसी विद्यार्थी के सामने अड़चनें आ रही हो तो उसे दूर करने के उपाय किये जाएं। लेकिन बीते कई दशकों से यह सवाल लगातार बना हुआ है कि एक बड़ी तादाद में विद्यार्थी स्कूल-कॉलेजों में बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं और उनकी आगे की पढ़ाई को पूरा कराने के लिए सरकार की ओर से ठोस उपाय नहीं किए जाते। इस मसले पर सरकार से लेकर शिक्षा पर काम करने वाले संगठनों की अध्ययन रपटों में अनेक बार इस चिंता को रेखांकित किया गया है, लेकिन अब तक इसका कोई सार्थक हल सामने नहीं आ सका है। तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, निजी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना बहुत मुश्किल होता है, कोई परिवार हिम्मत करके निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाते भी है जो आर्थिक मजबूरी के कारण उन्हें बीच में बच्चों को स्कूल से निकाल लेने को विवश होता पड़ता है। हम और आप अपनी असल ज़िंदगी में रोज़ाना ऐसे बच्चों से मिलते होंगे जो स्कूल से बाहर होटलों में काम करते हुए, जानवरों को चराते हुए या फिर परिवार के साथ शहरों में काम करते हुए दिखाई देते हैं। वहीं बहुत से बच्चे गाँव और गली मोहल्लों में दिन भर घूमते रहते हैं, या फिर परिवार के साथ खेतों पर काम करने जाते हैं, या फिर बाज़ार में सब्ज़ी बेचने या फिर जंगल में लकड़ियां काटने के लिए जाते हैं। छात्रों के फेल होने, शरारत या फीस जमा नहीं होने पर कार्रवाई के चलते बच्चों को स्कूल छोड़ने पर भी विवश होना पड़ता है। विशेषतः आदिवासी, दलित एवं अन्य पिछड़ी जाति के बच्चों को स्कूली शिक्षा बीच में छोड़ने की स्थितियां बढ़ती जा रही हैं, जो आजादी के अमृतकाल में चिन्ता का एक बड़ा कारण है।

सरकार की बड़ी-बड़ी योजनाओं के बीच छात्रों के स्कूल छोड़ने की स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा। शिक्षा को पेचीदा बनाने की बजाय सहज एवं रोचक बनाना होगा। ताकि कुछ बच्चों को स्कूल बोरिंग न लगे, 9वीं और 10वीं कक्षा तक आते-आते कई बच्चों को स्कूल बोरिंग लगने लगता है। इस कारण वे स्कूल देरी से जाना चाहते हैं,

क्लास बंक कर देते हैं और लंच ब्रेक में बैठे रहते हैं। पढ़ाई और स्कूल से लगाव ना होने की वजह से अक्सर बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। किसी भी वजह से बच्चे का स्कूल या पढ़ाई छोड़ने का मन करना, अभिभावकों के लिए एक बड़ी परेशानी है, लेकिन यह शिक्षा की एक बड़ी कमी की ओर भी इशारा भी करता है। बच्चों को स्कूल भेजे जाने का उद्देश्य शिक्षा ग्रहण कर एक अच्छा नागरिक बनना तो है ही, शिक्षा जीविकोपार्जन में भी प्रमुख भूमिका निभाती है। लेकिन मौजूदा समय में ज्यादातर स्कूल प्रबंधन इसे एक व्यवसाय के रूप में देखने लगे हैं, सरकारें भी शिक्षा की जिम्मेदारी से भाग रही हैं, भारत में शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद ज़मीनी स्तर पर बहुत सारी चीज़ें बदली हैं। मसलन स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ा है। हर साल आठवीं पास करने वाले बच्चों की संख्या के आँकड़े तेज़ी से बढ़े हैं। पर इसके साथ ही शिक्षा में गुणवत्ता और स्कूल में बच्चों के ठहराव का सवाल ज्यों का त्यों कायम है। स्कूल आने के बावजूद घरेलू आर्थिक मजबूरियों के कारण काम करने को मजबूर 78 लाख बच्चों की मौजूदगी भारत में प्राथमिक शिक्षा की बदहाली की कहानी दोहराती है। सरकारी योजनाओं एवं नीतिगत स्तर पर शिक्षा को उच्च प्राथमिकता मिलती दिखती है, बावजूद इसके, स्कूली शिक्षा के दौरान बीच में पढ़ाई छोड़ने की प्रवृत्ति नीतिगत स्तर पर नाकामी या फिर उदासीनता का ही सूचक है। यह समझना मुश्किल है कि इतने लंबे वक्त से यह चिंता कायम है फिर क्यों नहीं इस मसले पर किसी हल तक पहुंचना एक ऐसा सवाल है जिस पर व्यापक चिन्तन-मंथन जरूरी है। यह जगजाहिर है कि एक ओर स्कूल-कालेज में शिक्षा पद्धति में तय मानक बहुत सारे विद्यार्थियों के लिए सहजता से ग्राह्य नहीं होते, वहीं पढ़ाई में निरंतरता नहीं रहने के पीछे सामाजिक और आर्थिक कारक भी एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। लगातार शिक्षा मन्दिरों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव भी बच्चों को स्कूल छोड़ने पर विवश करते हैं। शिक्षा का अधिकार कानून आने के बाद भी भारत में सिंगल टीचर स्कूलों की मौजूदगी बनी हुई है। स्कूलों में विभिन्न विषयों के अध्यापक नहीं हैं, इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। वे आठवीं के बाद आगे पढ़ने लायक क्षमता का विकास नहीं कर पाते। स्कूल आने वाले लाखों बच्चों में गणित और भाषा के बुनियादी कौशलों का विकास नहीं हो पा रहा है। इस कारण से स्कूल छोड़ने वाली स्थितियां निर्मित होती हैं। भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि करोड़ों बच्चों को कुपोषण से बचाया जा सके। बहुत से सरकारी स्कूलों में शौचालय की स्थिति दयनीय है, विशेषतः बालिकाओं एवं बच्चे सम्मान के साथ उनका इस्तेमाल नहीं कर सकते। गांवों एवं पिछड़े इलाकों की स्कूलों की बात छोड़िये, राजधानी दिल्ली में अव्वल शिक्षा का दावा करने वाली आप सरकार के स्कूलों में पीने का स्वच्छ पानी नहीं है, बैठने के लिये पर्याप्त साधन नहीं है, इस स्थिति में भी बदलाव की जरूरत है। बहुत से स्कूलों में शिक्षक शराब पीकर आते हैं। या फिर स्कूल में हाजिरी लगाकर स्कूल से चले जाते हैं। ऐसी स्थिति का असर भी बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है। शिक्षकों को बच्चों की प्रगति और पीछे रहने के लिए जिम्मेदार बनाने वाला सिस्टम नहीं बन पाया है, इस दिशा में भी गंभीर पहल की जरूरत है। आए दिन देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव करने और समावेशी बनाने को लेकर दावे किए जाते हैं, घोषणाएं की जाती हैं। लेकिन वे शायद ही कभी वास्तव में जमीन पर उतरती दिखती हैं। एक गरीब परिवार का विद्यार्थी मेधावी होने के बावजूद कई बार अपने परिवार की आर्थिक स्थिति, जरूरत और पृष्ठभूमि की वजह से मजबूरन स्कूल छोड़ देता है। जाहिर है, स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़ने का मसला शैक्षिक संस्थानों तक पहुंच, पठन-पाठन के स्वरूप से लेकर गरीबी, पारिवारिक, सामाजिक और अन्य कई कारकों से जुड़ा हुआ है और इसके समाधान के लिए सभी बिंदुओं को एक सूत्र में रखकर ही देखने की जरूरत होगी।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के ग्रेटा शहर में वाइन इलाके में एक बस के पलट जाने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त ट्रेसी चैपमैन ने बताया कि बस चालक (58) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे सेसनॉक थाने ले जाया गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने चालक के खिलाफ लगाए जाने वाले आरोपों की विस्तृत जानकारी नहीं दी। हालांकि उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''आरोप लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्त जानकारी है।'' सिडनी के उत्तर में ग्रेटा शहर में वाइन कंट्री ड्राइव पर गोल चक्कर पर रात करीब साढ़े 11 बजे के बाद हादसा हुआ। बस में सवार लोग एक शादी समारोह में शिरकत करके लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि 25 लोग हादसे में घायल हो गए और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बस में सवार अन्य 18 लोग सुरक्षित हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मौके पर पहुंचे बचाव कर्मियों का शुक्रिया अदा किया और पीड़ितों तथा उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। सेस्नॉक के मेयर जय सुवाल ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया है।

मासूम लड़की की पेचकस से दोनों आंखें फोड़ी, ब्लेड से रेत-रेतकर गला काटा

नई दिल्ली। हैवानियत की हदें पार करने वाली एक वारदात फिर देश में हुई है। तेलंगाना में एक बार फिर एक मामूस की बदमाशों ने बर्बर्ता से हत्या कर दी है। हत्या क्यों और किस लिए की गयी इसकी जानकारी आना अभी बाकी है लेकिन हत्या को जिस तरह से अंदाम दिया गया है वह किसी की भी रुह कंपा सकती हैं। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में अज्ञात बदमाशों ने एक 19 वर्षीय लड़की की आंखों में पेचकस से वार किया और ब्लेड से उसका गला काट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसका शव तालाब में मिला था। लड़की के शरीर पर स्क्रूड्राइवर से कई बार वार किया। लड़की की आंखे फोड़ दी गयी। धारदार ब्लेड से उसके गले को रेता गया। घटना विकाराबाद जिले के कालापुर गांव में हुई। मृतक की पहचान जड्डू सिरिशा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका 10 जून की रात 11 बजे घर से निकली थी। बाद में स्थानीय लोगों ने तालाब में बच्ची का खून से लथपथ शव देखा। मामले की आगे की जांच चल रही है।

जी-20 सम्मेलन में पीएम मोदी का विशेष वीडियो संबोधन डिजिटलाइजेशन ने भारत में लाया क्रांतिकारी बदलाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण पर जोर दिया और डेटा के डिजिटलीकरण से भारत में लाए गए सकारात्मक बदलावों को दोहराया। जी20 विकास मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि डेटा विभाजन को पाटने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण एक महत्वपूर्ण उपकरण है। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटलीकरण ने एक क्रांतिकारी बदलाव लाया है। पीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वाराणसी में हो रही बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम रविवार को शुरू हुआ और 13 जून (मंगलवार) को समाप्त होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले भाग लेने वाले देशों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में एक 'बहुपक्षवादः एसडीजी की ओर प्रगति में तेजी लाने के लिए सामूहिक कार्रवाई' और दूसरा 'हरित विकासः एक जीवन शैली (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) दृष्टिकोण' पर दो मुख्य सत्र शामिल हैं।

जी20 विकास मंत्रियों की बैठक के लिए एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी सदियों से ज्ञान, चर्चा, संस्कृति और अध्यात्म का केंद्र रही है। इसमें भारत की विविध विरासत का सार है और यह देश के सभी हिस्सों के लोगों के लिए रूपांतरण बिंदु के रूप में काम करता है। मुझे खुशी है कि जी20 विकास एजेंडा काशी तक भी पहुंच गया है। विकास, वैश्विक दक्षिण के लिए एक प्रमुख मुद्दा है। वैश्विक दक्षिण के देश वैश्विक कोविड महामारी से उत्पन्न व्यवधान से गंभीर रूप से प्रभावित थे और भू-राजनीतिक तनाव के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट ने एक और झटका दिया है। ऐसी परिस्थितियों में आप जो निर्णय लेते हैं उसका बहुत महत्व होता है।

फिलीपीन के 'मायोन' ज्वालामुखी से फूटा लावा हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश

लेगास्पी। फिलीपीन के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी 'मायोन' से सोमवार को लावा निकलने लगा, जो धीरे-धीरे ढलान से नीचे की ओर आ रहा है। ज्वालामुखी में किसी भी वक्त विस्फोट होने की आशंका के मद्देनजर हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। ज्वालामुखी के धधकने और इससे लावा निकलने की गतिविधि पिछले सप्ताह तेज हुई थी, जिसके बाद 'मायोन' के छह किलोमीटर के दायरे में रहने वाले 12,600 से अधिक लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर पनाह ली। इनमें से अधिकतर किसान हैं। अब भी हजारों की संख्या में लोग 'मायोन' के आस-पास के इलाकों में निवास कर रहे हैं और खतरे की जद में है। लोगों को इस स्थान से दूरी बनाए रखने का कहा जाने के बावजूद लोग पीढ़ियों से यहां बसे हैं तथा खेती कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास कहीं और जाने के लिए स्थान नहीं है। 'फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वॉलकेनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी' के निदेशक टेरेसिटो बाकोलकोल ने बताया कि ज्वालामुखी से लावा रविवार रात से निकलना शुरू हुआ। 'मायोन' के आसपास के उच्च जोखिम वाले क्षेत्र का दायरा बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है, तो बढ़े हुए दायरे में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के तैयार रहना चाहिए। बाकोलकोल ने बताया कि अभी सतर्कता का स्तर तीन है लेकिन अगर लावा तेजी से निकलने लगता है, तो सतर्कता के स्तर को बढ़ाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के उग्रवाद प्रभावित कांकेर जिले में सोमवार तड़के सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। फिलहाल वहां कि स्थिति की सारे अपडेट आने का इंतजार हो रहा हैं। आपकों बता दे कि काफी समय से छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से नक्सलवादी काफी एक्टिव हो गये हैं। वह घात लगाकर सुरक्षाबलों पर हमला कर रहे हैं।

7 जून को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। विवरण के अनुसार, यह कोबरा और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का संयुक्त अभियान था। मुठभेड़ के समय छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों के सीमावर्ती इलाकों में कई विस्फोट और गोलियां चलने की भी आवाजें सुनी गईं। इससे पहले छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में दो-दो हजार रुपये मूल्य के पचास नोट (एक लाख रुपये) बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। ये रुपये कथित तौर पर एक नक्सली कमांडर के थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी थी। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी। माड़ (अबूझमाड़ क्षेत्र) के माओवादी कमांडर मल्लेश ने अपने कुछ समर्थकों को दंतेवाड़ा के गीदम इलाके में मोटरसाइकिल और अन्य सामान्य खरीदने के लिये भेजा था।

जबलपुर रैली से पहले प्रियंका ने नर्मदा नदी की पूजा-अर्चना की

जबलपुर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को जबलपुर पहुंचने के बाद मध्य प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी की पूजा अर्चना की। इसके बाद वह साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की शुरुआत एक रैली से करेंगी। जबलपुर को मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी माना जाता है। प्रियंका की यात्रा के लिए शहर में कई जगह बजरंगबली के कट आउट लगाए गए हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, राज्य के प्रभारी पार्टी महासचिव जे.पी. अग्रवाल और राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा के साथ प्रियंका गांधी ने ग्वारीघाट में नर्मदा के किनारे पूजा की।

शरद पवार को जान से मारने की धमकी मामले में पुलिस का एक्शन, पुणे के इंजीनियर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एनसीपी नेता शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुणे से एक आईटी पेशेवर को गिरफ्तार किया।32 वर्षीय सागर बर्वे के रूप में पहचाने गए संदिग्ध को एस्प्लेनेड अदालत में पेश किया गया। उसे 14 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बर्वे ने कथित तौर पर फेसबुक पर शरद पवार के खिलाफ धमकी भरा पोस्ट किया था। फेसबुक और ट्विटर सहित सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। बर्वे ने नर्मदाबाई पटवर्धन नाम के हैंडल से पोस्ट किया था। फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि पवार जल्द ही अंधविश्वास विरोधी धर्मयुद्ध नरेंद्र दाभोलकर के भाग्य से मिलेंगे, जिनकी 2013 में दो बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर

दी थी। जांच जारी है, लेकिन पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में बर्वे का किसी पार्टी से कोई संबंध नहीं है। एनसीपी के एक कार्यकर्ता ने शुक्रवार को फेसबुक धमकी के संबंध में लोकमान्य तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन में एक अलग मामला दर्ज कराया। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच को पता चला कि जिस आईपी एड्रेस से पोस्ट अपलोड किया गया था, वह बर्वे का था। ट्विटर पर धमकी पोस्ट करने वाले व्यक्ति का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

गुजरात और मुंबई में भारी बारिश, उड़ान संचालन प्रभावित, समुद्री ड्राइव पर उच्च ज्वार, चक्रवात बिपारजॉय बना गंभीर

नई दिल्ली। अरब सागर में से उठे चक्रवात बिपारजॉय का असर दिखने लगा है। मुंबई और गुजरात के तटों पर ऊंची-ऊंची लहरें और तेज बारिश हो रही हैं। मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई हिस्सों में रविवार शाम बारिश हुई। उच्च ज्वार की लहरें और तेज़ हवाएँ मुंबई से टकराती हैं, जबकि राज्य के अन्य तटीय हिस्सों में भी तेज़ हवाएँ देखी गईं। चक्रवात बिपारजॉय की तीव्रता अरब सागर में एक चक्रवाती तूफान में बदल गई है। चक्रवाती तूफान ने क्षेत्र में उड़ान संचालन को भी प्रभावित किया। स्काईमेट वेदर ने सोमवार को बताया, महाराष्ट्र और गुजरात के तटों पर तेज हवाएं चल सकती हैं। गुजरात और महाराष्ट्र तट के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। एक निकाय अधिकारी ने कहा कि मुंबई के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के कारण कुछ पेड़ जमीन पर गिर गए। स्काईमेट वेदर ने कहा कि पूर्व मध्य अरब सागर के ऊपर गंभीर चक्रवात बिपारजॉय एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है।पूर्वानुमान सेवा ने कहा, 'चक्रवात नौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।' 0530 घंटे घ्एऊ आज 11 जून को, यह मुंबई के लगभग 580 किमी पश्चिम दक्षिण-पश्चिम में, पोरबंदर से 480 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में, द्वारिका से 530 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम

में, नलिया से 610 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में, और कराची से 780 किमी दक्षिण में था।

मुंबई हवाईअड्डे पर अफरा-तफरी मच गई क्योंकि यात्री अपनी उड़ानों के लिए घंटों इंतजार करते रहे। जहां कई एयरलाइनों ने मौसम की स्थिति के मद्देनजर अपनी उड़ानें रद्द कर दीं, वहीं अन्य को रविवार शाम को मुंबई में लैंडिंग रद्द करने का निर्देश दिया गया। एयर इंडिया ने अपनी कुछ उड़ानों में देरी को बताते हुए इस संबंध में एक बयान जारी किया। वाणिज्यिक एयरलाइन द्वारा रनवे को अस्थायी रूप से बंद करने को भी हरी झंडी दिखाई गई।

तेज हवाओं ने मुंबई में हवा की गुणवत्ता और दृश्यता को भी प्रभावित किया, जबकि उच्च ज्वार और लहरों ने तटीय रत्नागिरी जिले के गणपतिपुले शहर में पर्यटकों को आश्चर्यचकित कर दिया। इस बीच बीते दो दिनों से रत्नागिरी के तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान का असर देखने को मिल रहा है. रत्नागिरी के तीर्थस्थल गणपतिपुले में भी मानसून की शुरुआत में तेज हवाएं और उच्च ज्वार की लहरें दर्ज की गईं।विक्रेताओं और स्थानीय लोगों को रत्नागिरी जिले में तटीय क्षेत्र में जाने से परहेज करने की सलाह दी गई।

मौसम एजेंसी आईएमडी ने कहा राज्य के तटीय हिस्सों में 'आंधी का अलर्ट' जारी किया है। अगले 3-4 घंटों के दौरान रत्नागिरी, रायगढ़, ठाणे, पालघर और कोल्हापुर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

चक्रवात बिपारजॉय के गुरुवार को गुजरात और पाकिस्तान के तटों पर दस्तक देने की उम्मीद है, लेकिन इस क्षेत्र में मानसून की शुरुआत के साथ इसका प्रभाव शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि भारी वर्षा वाला चक्रवात 13 से 15 जून के बीच बहुत तेज़ हवा की गति के साथ होगा। अधिकारियों के अनुसार हवा की गति 150 किमी प्रति घंटे तक बढ़ सकती है। कच्छ, जामनगर, मोरबी, गिर, देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिलों के प्रभावित होने की अत्यधिक संभावना है।

ट्रंप गोपनीय दस्तावेज मामले में होंगे अदालत में पेश समर्थकों से की प्रदर्शन में शामिल होने की अपील

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गोपनीय दस्तावेज अपने आवास में रखने को लेकर दर्ज आपराधिक मामले में मंगलवार को अदालत में पेश होंगे। इससे पहले उन्होंने और उनके सहयोगियों ने समर्थकों को इसके खिलाफ अदालत के बाहर प्रदर्शन करने को कहा। ट्रंप मंगलवार को यानी कल मियामी की अदालत में पेश होंगे। अभियोग से पहले पूर्व राष्ट्रपति ने न्याय विभाग के विशेष वकील जैक स्मिथ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और उन्हें ''विक्षिप्त'' तथा अभियोजकों की उनकी टीम को ''ठग'' करार दिया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि वह राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से मियामी कोर्टहाउस के बाहर प्रदर्शन में शामिल होने को कहा। ट्रंप ने

'डब्ल्यूएबीसी रेडियो' को दिए एक साक्षात्कार में अपने मित्र एवं सलाहकार रोजर स्टोन से कहा,'' हमें अब हमारे देश में ताकत चाहिए। उन्हें (समर्थकों को) बाहर जाना है और उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना है।'' पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, '' देखो, हमारे देश को प्रदर्शन करना है। बहुत सारे विरोध प्रदर्शन करने है। हमने सबकुछ खो दिया है।'' ट्रंप ने संकल्प लिया कि वह अभियोग के बावजूद राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में बने रहेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। गौरतलब है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को गोपनीय दस्तावेज रखने संबंधी मामले में अभ्यारोपित किया गया है। ट्रंप के आवास से गोपनीय दस्तावेज मिलने संबंधी आरोपों से जुड़े अभियोग को शुक्रवार को सार्वजनिक कर दिया गया था। यह मामला फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के आवास मार-ए-लागो से सैकड़ों गोपनीय दस्तावेज मिलने से जुड़ा है।

केंद्र सरकारें लोगों की समस्याओं का समाधान करने में विफल रहीं: केसीआर

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने रविवार को आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की सरकारें देश के लोगों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने में विफल रही हैं। उन्होंने रविवार को यह भी कहा कि चुनाव आयोग किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने के लिए पार्टियों की अवांछनीय प्रथाओं को रोकने में विफल रहा है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, राव की यह टिप्पणी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हुए मध्य प्रदेश के कुछ नेताओं को संबोधित करते हुए आई।

मेरी बहनों को पुलिस उठा ले गई, नौकरों को जेल में भेज दिया पाक सरकार से खींचतान के बीच इमरान बोले-वे समझ रहे कानून से ऊपर हैं

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश के सुरक्षा बलों पर घरों में छापेमारी करने और दरवाजे तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने पाकिस्तान के सुरक्षा बलों की आलोचना करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और आरोप लगाया कि वे घर में तोड़फोड़ कर रहे हैं और इसे लूट रहे हैं। खान ने कहा कि महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें परेशान किया जाता है और धमकी दी जाती है और अगर वह व्यक्ति वहां नहीं होता है तो उनके लड़कों, पिताओं और यहां तक कि नौकरों को भी

उठा लिया जाता है और जेल भेज दिया जाता है।

खान ने आगे आरोप लगाया कि उनकी बहनों, ड्राइवर और रसोइए को पुलिस ने उठा लिया। मेरी बहनों, ड्राइवर और कुक रहीम को तब उठाया गया जब पुलिस को उसका बेटा नहीं मिला। दोनों को जेल में डाल दिया गया। रहीम को सांस लेने में तकलीफ हुई और रिहाई के बाद से वे वेंटिलेटर पर जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से जो लोग इस आतंक के शासन के लिए जिम्मेदार हैं, वे महसूस करते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि पाकिस्तान में इस तरह के गंभीर उल्लंघन होंगे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफके प्रमुख ने कहा कि हालांकि इस नीति से लोगों में अस्थायी रूप से भय फैल सकता है, लेकिन यह केवल कुछ समय की बात है जब यह नफरत खुलकर सामने आएगी।

मदिंर के सामने पुलिस और 'वरकरी' के बीच बहस, विपक्ष ने किया लाठीचार्ज का दावा

मुम्बई। महाराष्ट्र के पुणे जिले में रविवार को पुलिस और वरकरियों (भगवान विट्ठल के भक्तों) के बीच जुलूस के दौरान बहस हुई, लेकिन लाठीचार्ज की कोई घटना नहीं हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, विपक्षी पार्टियों ने दावा किया है कि पुलिस ने वरकरियों पर लाठचार्ज किया है और उन्होंने उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह घटना उस समय हुई, जब पुणे शहर से 22 किलोमीटर दूर अलांदी कस्बे

में स्थित संत ज्ञानेश्वर महाराज समाधि मंदिर में भक्तों ने उस समय घुसने की कोशिश की, जब पंढरपुर के लिए वार्षिक अषाढ़ी एकादशी यात्रा शुरू करने के अवसर पर जुलूस निकाला जा रहा था। पिंपरी चिंचवड के आयुक्त विनय कुमार चौबे ने कहा कि पुलिस ने मंदिर के न्यासियों के साथ मिलकर वृहद पैमाने पर व्यवस्था की थी, ताकि किसी अवांछित घटना को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि पुलिस एक बार में 75 लोगों के जत्थे को मंदिर में भेज रही थी, लेकिन कुछ लोगों ने अवरोधक तोड़कर मंदिर में प्रवेश करने की कोशिश की। चौबे ने कहा, ''पुलिस ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की, तब कहासुनी हुई।''उन्होंने हालांकि, वरकरियों पर लाठीचार्ज के आरोपों को खारिज कर दिया। इस घटना ने राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने वरकरियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किये जाने का दावा किया। राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने कहा, ''मैं वरकरियों पर लाठीचार्ज करने की घटना को लेकर राज्य सरकार की निंदा करती हूं। गत कई वर्षों में ऐसा कभी नहीं हुआ था। तीर्थयात्रा (पंढरपुर जाने वाले) की गत कई सदियों से परंपरा रही है।'' उन्होंने कहा, ''प्रशासन के कुप्रंधन ने वार्षिक आयोजन पर धब्बा लगा दिया है। वरकरी समुदाय पर लाठीचार्ज से आक्रोश है। जो लोग इस खामी के लिए जिम्मेदार हैं, उनपर कार्रवाई होनी चाहिए।'' महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज में संलिप्त पुलिस कर्मियों को निलंबित किया जाना चाहिए।

पंचायत चुनाव से पहले बवाल की आशंका, नामांकन केंद्रों के पास धारा 144 लागू

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग सख्त हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के लिए सभी नामांकन केंद्रों के 1 किलोमीटर के दायरे में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया गया है कि नामांकन प्रक्रिया सुरक्षित रूप से संपन्न हो। यह आदेश गुरुवार तक प्रभावी रहेगा।

अधिकारी ने कहा कि हमने नामांकन केंद्रों के 1 किमी के दायरे में निषेधाज्ञा लागू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस आशय का एक आदेश एसईसी द्वारा रविवार को जारी किया गया था। पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे। एसईसी ने कहा कि केवल दो व्यक्ति नामांकन केंद्र के अंदर कागजात दाखिल करने के लिए कदम रख सकते हैं।

'ससुराल सिमर का' फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने छोड़ी एक्टिंग, मां बनने से पहले ही लिया कभी न लौटने का फैसला

मुम्बई। टीवी पर लंबे समय तक अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने किया है। एक्ट्रेस ने अपनी आदर्श बहू की छवि बनाई और बिग बॉस के घर के अंदर भी जब वह आयी तो उसे बरकरार रखा। अब एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने मां बनने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी ती। एक्ट्रेस को लेकर एक खबर और आ रही हैं। खबरे हैं कि वह एक्टिंग छोड़ रही हैं। टीवी शो ससुराल सिमर का में अपने काम के लिए जानी जाने वाली दीपिका कक्कड़ ने अभिनय छोड़ दिया है। टेली चक्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री ने शोबिज छोड़ने और अपना सारा ध्यान अपने परिवार और होने वाले बच्चे पर समर्पित करने का फैसला किया है। इस साल की शुरुआत में दीपिका और उनके पति अभिनेता शोएब इब्राहिम ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

प्रकाशन के अनुसार, दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि वह अपने अभिनय करियर कर चुकी थी और यह क्षेत्र छोड़ना चाहती थी। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं गर्भावस्था के इस चरण का आनंद ले रही हूं और अपने पहले बच्चे का स्वागत कर रही हूं। उत्साह दूसरे स्तर पर है। मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था और लगातार 10-15 साल तक काम करती रही। जैसे ही मेरी गर्भावस्था की यात्रा शुरू हुई, मैंने शोएब से कहा कि मैं काम नहीं करना चाहती और अभिनय छोड़ना चाहती हूं। मैं एक गृहिणी और मां के रूप में जीवन जीना चाहती हूं।'

दीपिका कक्कड़ को आखिरी बार स्टार प्लस के कहां हम कहां तुम में 2020 में करण ग्रोवर के साथ देखा गया था। उन्होंने अभिनेत्री सोनाक्षी रस्तोगी की भूमिका निभाई थी। इससे पहले, अभिनेत्री ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 12 में भाग लिया और जीता। वह शोएब के साथ झलक दिखला जा 8 और नच बलिए 8 जैसे डांस रियलिटी शो का भी हिस्सा थीं। छोटे पर्दे पर सिमर के रूप में बड़ी भूमिका निभाने से पहले, उन्होंने 2010 में नीर भरे तेरे नैना देवी में लक्ष्मी के रूप में टेलीविजन पर शुरुआत की और अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो में रेखा के रूप में भी दिखाई दीं। दीपिका कक्कड़ अपने पति शोएब इब्राहिम से ससुराल सिमर का के सेट पर मिलीं और आखिरकार दोनों ने 2018 में शादी कर ली। इस साल जनवरी में युगल ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। खुशखबरी साझा करने के लिए उन्होंने इंस्टाग्राम का सहारा लिया। कैप्शन में लिखा है, 'इस खबर को आप सभी के साथ आभार, खुशी, उत्साह और घबराहट से भरे दिलों के साथ साझा कर रहा हूं। हमारी लाइफ का ये सबसे खूबसूरत फेज है (हमारी जिंदगी का सबसे खूबसूरत फेज)। हाँ, हम अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं! जल्द ही पितृत्व को अपनाने जा रहे हैं। आपकी धीर सारी दुआएं और प्यार की जरूरत है।

आदिपुरुष की 10000 टिकटें होंगी मुफ्त! कार्तिकेय 2 के निर्माता ने प्रभास की फिल्म को लेकर किया बड़ा ऐलान

मुम्बई। प्रभास की मेगा-बजट फिल्म आदिपुरुष रिलीज से कुछ ही दिन दूर है। फिल्म के प्रीमियर से पहले, द कश्मीर फाइल्स और कार्तिकेय 2 के निर्माता ने वादा किया कि वह भगवान राम की भक्ति के लिए आदिपुरुष को 10,000 मुफ्त टिकट दान करेंगे। वह तेलंगाना में सरकारी स्कूलों, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों को ये मुफ्त टिकट देंगे। निर्माता ने एक उददुत फ़ॉर्म लिंक साझा किया जहां लोग टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

ओम राउत द्वारा निर्देशित आदिपुरुष 16 जून को स्क्रीन की शोभा बढ़ाएगा। तिरुपति में फिल्म के प्री-रिलीज़ इवेंट में विभिन्न राज्यों के कई हज़ार प्रशंसकों ने भाग लिया।

निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने घोषणा की कि वह प्रभास के आदिपुरुष को 10,000 टिकट दान करेंगे। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'आदिपुरुष जीवन में एक बार आने वाली फिल्म है, जिसे सभी को मनाना चाहिए। भगवान श्री राम के प्रति मेरी भक्ति के कारण, मैंने सरकारी स्कूलों, अनाथालयों वृद्धाश्रम को 10,000 टिकट मुफ्त में देने का फैसला किया है। टिकट प्राप्त करने के लिए अपने विवरण के साथ उददुत फॉर्म भरें।

ओम राउत द्वारा लिखित और निर्देशित, आदिपुरुष वाल्मीकि की रामायण पर आधारित एक पौराणिक फिल्म है। फिल्म में प्रभास को राघव और सैफ अली खान को लंकेश के रूप में दिखाया जाएगा। कृति सनोन, सनी सिंह और देवदत्त नाग को क्रमशः जानकी, लक्ष्मण और बजरंग के रूप में देखा जाएगा। आदिपुरुष का न्यूयॉर्क में ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में शुरुआती प्रीमियर होना था। हालांकि, प्रीमियर अब रद्द कर दिया गया है।

बिग बॉस ओटीटी 2: सलमान खान करेंगे नए सीजन की मेजबानी, प्रीमियर डेट और प्रोमो हुआ आउट

मुम्बई। बॉलीवुड आइकन सलमान खान 'बिग बॉस ओटीटी हिंदी' के बहुप्रतीक्षित दूसरे सीजन की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। यह शो 17 जून को प्रीमियर के लिए निर्धारित है और इसका उद्देश्य और भी शानदार मनोरंजन अनुभव प्रदान करना है। यह जियो सिनेमा पर मुफ्त स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध हैं। यह सीज़न पहले वर्ष के उत्साह को पार करने और दर्शकों को पहले की तरह लुभाने के लिए तैयार है। आईपीएल की जबरदस्त जीत के बाद, जियोसिनेमा देश के सबसे चर्चित रियलिटी शो के साथ पूरे भारत में मनोरंजन की खुराक बढ़ाने के लिए तैयार है। सलमान खान के आकर्षक ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व और करिश्माई होस्टिंग कौशल के साथ, शो का ओवर-द-टॉप संस्करण उत्साह, नाटक और मनोरंजन के नए स्तर तक पहुंचने के लिए बाध्य है। देश के सबसे चर्चित रियलिटी शो से रोमांचित होने के लिए तैयार रहें। यह पर 17 जून, 2023 से शुरू हो रहा है। मंगलवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो का एक टीजर शेयर किया। कैप्शन में लिखा है, 'हर किसी के पसंदीदा सलमान खान भारत के सबसे बड़े रियलिटी शो, बिग बॉस को ओटीटी पर वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार है! इस बार 17 जून से। कई हस्तियां बिग बॉस ओटीटी के दूसरे सीजन में दिखाई देने के लिए बातचीत कर रही हैं, उम्मीदवारों के बारे में जानकारी अभी भी गुप्त रखी जा रही है।

सरस्वती माता के लुक में दीपिका पादुकोण की लीक हुई तस्वीरें, क्या हो गई अगली फिल्म की तैयारी?

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हाल ही में मेघना गुलजार की फिल्म छपाक में नजर आयी थी। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण ने एसिड अटैक सर्वाइवर का किरदार निभाया था। फिल्म को क्रिटिक्स की तारीफे तो मिली लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका जादू नहीं चल पाया। दीपिका पादुकोण अब अपने पति रणवीर सिंह के साथ फिल्म 83 में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव की बायोपिक हैं। दीपिका पादुकोण 83 में कपिल देव की पतनी के किरदार में नजर आएंगी। अब हाल ही में सोशल मीडिया पर एक और तस्वीर वायरल हो रही हैं जिसमें दीपिका पादुकोण सरस्वती माता के लुक में दिखाई दे रही हैं। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के फैन क्लब पर शेयर की गई इस तस्वीर को देखकर लोग कमेंट बॉक्स में पूछ रहे हैं कि क्या ये दीपिका पादुकोण की अगली फिल्म का लुक हैं। उन लोगों के लिए हम आपको सरस्वती माता के रूप में वायरल हो रही इस तस्वीर की सच्चाई बता दें। दरअसल लॉकडाउन के दौरान लोगों के पास काम कम है तो वह अपनी क्रिएटिवी इस समय सोशल मीडिया पर जमकर दिखा रहे हैं। दीपिका पादुकोण की सरस्वती माता के लुक में ये तस्वीर भी किसी फैन की क्रिएटिविटी का ही नतीजा हैं। दीपिका पादुकोण ने अभी अपनी किसी भी नयी फिल्म की घोषणा नहीं की हैं। दीपिका पादुकोण जिस भी फिल्म में काम कर रही हैं उनमें से किसी भी फिल्म में उनका ऐसा कोई रोल नहीं हैं।

फिटनेस की बात हो तो कोई समझौता नहीं : सोनाक्षी सिन्हा

मुम्बई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि जब बात फिटनेस की आती है तो वह कोई समझौता नहीं करतीं और उनका लक्ष्य अपने लिए सर्वश्रेष्ठ करने का होता है। 30 वर्षीय अभिनेत्री का मानना है कि शरीर को फिट रखने और इसका प्रयास करने के बजाय तंदुरूस्त रहना जरूरी है। सोनाक्षी ने कहा है, मेरा लक्ष्य लगातार अपनी सीमाओं से आगे जा कर हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की दिशा में आगे बढ़ना है। मैंने पहले ऐसा कभी नहीं किया लेकिन अब मैं केवल बेहतर और बेहतर करना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह खुद को ही चुनौती देना और बेहतर करना चाहती हैं। इसमें उनका खानपान से लेकर रोजमर्रा का व्यायाम तक शामिल है। आखिरकार कड़ी मेहनत और समर्पण ही काम आता है। इसका कोई शॉर्टकट नहीं है। सोनाक्षी हैप्पी भाग जाएगी के सीक्वल में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्माण आनंद एल राय कर रहे हैं और इसमें डायना पेंटी और जिम्मी शेरगिल भी नजर आएंगे।

डिजाइनर सिल्वर ज्वेलरी के साथ रवीना टंडन ने पहना पठानी कुर्ता, क्या आपको पसंद आया नया लुक

मुम्बई। रवीना ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की हैं जिसमें वह काफी अलग दिखाई पड़ रही हैं। रवीना ने एक खूबसूरत पठानी जैकेट के साथ कुर्ता पहना है और उसके उपर उन्होंने डिजाइनर सिल्वर ज्वेलरी कैरी की हैं। 80- 90 के दशक में लोगों के दिलों पर राज करने वाली रवीना टंडन आजकल फिल्मों से ज्यादा अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। रवीना की खास बात यह है कि वह बिना किसी पॉलिटिकल पार्टी का सपोर्ट किए इंसानियत से जुड़ी चीजों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं। समय-समय पर रवीना कुछ ऐसा करती हैं जिसको लेकर वह सुखियों में बनीं रहती हैं। इस समय फिल्मों में नहीं लेकिन एड-शूट , इवेंट प्रोग्राम को लेकर रवीना बिजी रहती हैं। लॉकडाउन के दौरान भी रवीना ने ज्यादातर काम घर से ही किया हैं। हाल ही में रवीना ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की हैं जिसमें वह काफी अलग दिखाई पड़ रही हैं। रवीना ने एक खूबसूरत पठानी जैकेट के साथ कुर्ता पहना है और उसके उपर उन्होंने डिजाइनर सिल्वर ज्वेलरी कैरी की हैं। ज्वेलरी में उन्होंने मल्टीपल चैन वाला हार गले में पहना है और कान में बहुत ही खूबसूरत डिजाइन के झुमके पहने हैं। इस लुक में रवीना ने अपनी मिरर सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया हैं। आप भी देखे रवीना टंडन का ये नया लुक और बताए आपको कैसा लगा- आपको बता दें कि रवीना टंडन आखिरी बार 2017 में फिल्म मातृ में लीड रोल में नजर आयी थी। उसके बाद से वह फिल्मों से दूर हैं। 2020 में साउथ की मशहूर फिल्म केजीएफ 2 में रवीना नजर आने वाली हैं। कुछ समय से रवीना अपने परिवार के साथ वक्त बिता रही हैं। रवीना के 4 बच्चे हैं जिनमें से 2 लड़कियों को उन्होंने 1995 में गोद लिया था।

अभिनेत्री और टीवी कलाकार, जिसने अपनी शालीनता से सभी का दिल जीत लिया

मुम्बई। इनका वास्तविक नाम उमा कश्यप था। फ़िल्मी नाम कामिनी कौशल चेतन आनन्द ने दिया और इसी नाम से ये जानी गईं। यूँ तो कामिनी कौशल ने कई यादगार फ़िल्में दी हैं, किंतु फ़िल्म नीचा नगर (1946) और बिरज बहु (1955) में निभाई गई भूमिका के लिए उन्हें ख़ासतौर पर जाना जाता है। इन फ़िल्मों में निभाई गई भूमिका के लिए कामिनी कौशल को पुरस्कार भी प्राप्त हुए थे। अपने समय के ख्याति प्राप्त अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के साथ कई फ़िल्में कर चुकीं कामिनी कौशल ने टीवी की दुनिया में कई धारावाहिकों में भी कार्य किया है। कामिनी कौशल का जन्म 16 जनवरी, सन 1927 में ब्रिटिश भारत के लाहौर (पंजाब) में हुआ था। कामिनी के पिता प्रोफ़ेसर शिवराम कश्यप अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जाने-माने वनस्पति शास्त्री थे और लाहौर के ही गवर्नमेंट कॉलेज में पढ़ाते थे। लाहौर के मशहूर बॉटैनिकल गार्डन के संस्थापक होने के साथ-साथ वे साईंस कांग्रेस के अध्यक्ष भी थे। दो भाई और तीन बहनों में सबसे छोटी कामिनी कौशल के बड़े भाई डॉक्टर के। एन। कश्यप बतौर सर्जन कई सालों तक पी। जी। आई। चंडीगढ़ से जुड़े रहे। उनके छोटे भाई कर्नल ए। एन। कश्यप को दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जापान में युद्ध बंदी बना लिया गया था और वे चार साल बाद अचानक तब वापस लौटे थे, जब परिवार की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई थीं। कामिनी कौशल का परिवार लाहौर के चौबुर्जी इलाक़े में रहता था। लेडी मैकक्लैगन हाईस्कूल से उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। इसके बाद किन्नेयर्ड कॉलेज से अंग्रेज़ी में बी।ए। ऑनर्स किया। इनके परिवार का माहौल काफ़ी खुला हुआ था। कामिनी कौशल बचपन से ही रेडियो नाटकों में हिस्सा लेती थी, इसके अतिरिक्त घुड़सवारी, तैराकी और साईक्लिंग भी करती थीं।कामिनी कौशल की बहन की असामयिक ही मृत्यु हो गई थी, जिस कारण अपनी भतीजियों के भविष्य की चिंता उन्हें थी। अपनी भतीजियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ही कामिनी कौशल ने अपने जीजा ब्रह्मस्वरूप सूद से विवाह कर लिया और मुंबई आ गईं। ब्रह्मस्वरूप सूद पोर्ट ट्रस्ट में काम करते थे। उन्होंने कामिनी को फ़िल्मों में काम करने की पूरी आज़ादी दे दी थी। उस समय फ़िल्मों में काम करना अच्छा नहीं माना जाता था। चेतन आनन्द कामिनी के बड़े भाई के क़रीबी दोस्त थे और उन दिनों अपनी पहली फ़िल्म नीचा नगर की तैयारियों में लगे हुए थे। एक रोज़ उन्होंने रेडियो नाटक सुनकर कामिनी को अपनी फ़िल्म की मुख्य भूमिका के लिए लेना चाहा, किंतु कामिनी ने साफ इंकार कर दिया। चेतन आनंद से उनकी अगली मुलाक़ात मुंबई में हुई, जहाँ वह अपनी विवाहिता बड़ी बहन के घर आयी हुई थीं। चेतन आनंद ने एक बार फिर से उन पर अपनी फ़िल्म में काम करने के लिए दबाव डाला, जिसके लिए अपने बड़े भाई के कहने पर कामिनी कौशल को हाँ करना पड़ा। चूंकि चेतन आनंद की पत्नी उमा आनंद भी उस फ़िल्म में एक अहम भूमिका कर रही थीं, इसलिए चेतन आनंद ने कामिनी कौशल को उनके असली नाम उमा कश्यप की जगह फ़िल्मी नाम कामिनी कौशल दिया था। आगे चलकर वे इसी फ़िल्मी नाम से मशहूर हुईं। वर्ष 1946 में बनी फ़िल्म नीचा नगर के संगीतकार पंडित रविशंकर थे। कांस फ़िल्म समारोह में शामिल होने और पुरस्कार हासिल करने वाली ये पहली भारतीय फ़िल्म थी। कामिनी कौशल के अनुसार- तमाम तारीफ़ें बटोरने के बावजूद शुरूआत में ये फ़िल्म बिक नहीं पाई थी। लेकिन जब आगे चलकर मेरा थोड़ा नाम हुआ और इस फ़िल्म में दो गाने डाले गए, तब कहीं ये फ़िल्म प्रदर्शित हो पाई थी। लेकिन उसके बाद जितने भी प्रस्ताव मुझे मिले, उन सभी को ठुकराकर मैं वापस लाहौर लौट गयी। उस समय तक मैंने मुश्किल से चार-पाँच ही फ़िल्में देखी होंगी, जिनमें से प्रभात फ़िल्म कंपनी, पुणे की गजानन जागीरदार निर्देशित फ़िल्म रामशास्त्री मुझे बेहद पसंद आयी थी। इसीलिए जब गजानन जागीरदार ने अपने प्रोडक्शन की फ़िल्म जेलयात्रा के लिए मुझसे संपर्क किया तो मैं इंकार नहीं कर पायी और मुझे स्थायी रूप से मुंबई आ जाना पड़ाक। कई लोग यह भी कहते हैं कि बड़ी बहन के अचानक गुज़र जाने के बाद उनकी दो छोटी बेटियों की देखभाल के लिए कामिनी कौशल को 1947 में अपने जीजा ब्रह्मस्वरूप सूद से शादी करनी पड़ी थी और इसीलिए वे शादी के बाद स्थायी तौर पर मुंबई आई थीं। 1947 में बा ना ी

फ़िल्म जेलयात्रा में कामिनी कौशल के नायक राज कपूर थे, जिनकी बतौर निर्माता-निर्देशक पहली फ़िल्म आग (1948) में भी कामिनी कौशल ने एक अहम भूमिका की। फ़िल्मिस्तान स्टूडियो की फ़िल्म दो भाई (1947) में कामिनी कौशल के नायक उल्हास थे तो इसी बैनर की शहीद और नदिया के पार (1948) में दिलीप कुमार। इन सभी फ़िल्मों में कामिनी कौशल के लिए पार्श्वगायन शमशाद बेगम, गीता दत्त, ललिता देऊलकर और सुरिंदर कौर ने किया था। बॉम्बे टॉकीज़ की खेमचंद प्रकाश द्वारा संगीतबद्ध फ़िल्म ज़िद्दी (1948) में उनके लिए लता मंगेशकर ने पहली बार गाने गाए थे। बतौर गायक किशोर कुमार की भी ये पहली फ़िल्म थी, जिसमें उन्होंने माली की एक छोटी सी भूमिका भी की थी। इसके बाद अगले दस वर्षों में कामिनी कौशल ने नमूना, शबनम, शायर (1949), आरज़ू (1950), बिखरे मोती (1951), पूनम (1952), आंसू, आस, शहंशाह (सभी 1953), बिराज बहू, चालीस बाबा एक चोर, संगम (1954), आबरू (1956), बड़ा भाई, बड़े सरकार (1957), जेलर, नाईट क्लब (1958) और बैंक मैनेजर (1959) जैसी कुल मिलाकर 33 फ़िल्मों में मुख्य भूमिकाएँ निभाईं। दिलीप कुमार के साथ दो अभिनेत्रियों के प्रेम प्रसंग की बातें भी काफ़ी उड़ीं। इन अभिनेत्रियों में एक थीं कामिनी कौशल और दूसरी मधुबाला। 1948 और 1950 के बीच दिलीप कुमार और कामिनी कौशल ने चार फिल्मों में साथ काम किया था। इनमें शहीद के अलावा अन्य तीन फिल्में नदिया के पार, शबनम, और आरजू थीं। दर्शकों को इन फिल्मों के प्रणय दृश्य देखकर ही इनके बीच परस्पर प्रेम का अहसास हो जाता था। तब कामिनी कौशल और दिलीप कुमार दोनों ही फिल्मी करियर की बुनियाद डाल रहे थे। कामिनी कौशल ब्याहता थीं, जिन्होंने बहन के निधन के बाद अपने जीजा ब्रह्मस्वरूप सूद से विवाह किया था। इनके पति ने फ़िल्मों में काम करने की आज़ादी दी थी, लेकिन प्रेम की इजाजत भला कैसे देते। दिलीप और कामिनी ने अपने प्रेम को दबाया और वर्षों र्तक एक-दूसरे के सामने भी नहीं आए। के आटर्स के बैनर में बनी फ़िल्म पूनम और चालीस बाबा एक चोर का निर्माण कामिनी कौशल ने ही किया था। फ़िल्म बिरज बहू के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फ़िल्म फ़ेयर पुरस्कार जीता था। फ़िल्म बैंक मैनेजर के बाद उन्हें घरेलू वजहों से कुछ सालों के लिए फ़िल्मों से अलग हो जाना पड़ा। क़रीब पाँच साल बाद कामिनी कौशल अभिनेता राजकुमार के साथ निर्माता-निर्देशक त्रिलोक जेटली की फ़िल्म गोदान (1963) में नज़र आयीं। इस फ़िल्म का संगीत भी पंडित रविशंकर ने तैयार किया था। ये कामिनी कौशल की बतौर नायिका आख़िरी प्रदर्शित फ़िल्म थी। बतौर चरित्र अभिनेत्री कामिनी कौशल के दूसरे फ़िल्मी सफ़र की शुरूआत वर्ष 1965 में बनी फ़िल्म शहीद से हुई। इस फ़िल्म में वे अभिनेता मनोज कुमार द्वारा अभिनीत सरदार भगत सिंह की माँ की भूमिका में नज़र आयी थीं। फ़िल्म शहीद की जबर्दस्त कामयाबी के बाद उन्होंने मनोज कुमार की लगभग सभी फ़िल्मों में उनकी माँ की भूमिका की। कामिनी कौशल बतौर चरित्र अभिनेत्री 40 से भी ज़्यादा सालों तक सक्रिय रहीं। अभिनय के इस दूसरे दौर में उन्होंने 60 से ज़्यादा फ़िल्मों, 1980 के दशक के मध्य में बने अंग्रेज़ी धारावाहिक ज्वैल इन द क्राऊन और वक़्त की रफ़्तार, ऊपरवाली घरवाली, संजीवनी, शन्नो की शादी जैसे कुछ हिन्दी धारावाहिकों में अभिनय किया। 2007 में बनी लागा चुनरी में दाग कामिनी कौशल की अभी तक की आख़िरी हिन्दी फ़िल्म है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।